दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

हादसे के लिए रेल मंत्री जिम्मेदार : तृणमूल

तृणमूल कांग्रेस ने इस हादसे के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी की राज्यसभा सदस्य व राष्ट्रीय प्रवक्ता सुष्मिता देव ने कहा कि रेलवे लाखों लोगों के लिए यात्रा का प्राथमिक साधन है पर अब वह सुरक्षित नहीं है। देव ने कहा कि रेल मंत्री प्रधानमंत्री के चहेते हैं, हमारी जान ले रहे हैं! मोइत्रा ने सुरक्षा के लिए सभी रेलवे मार्गों पर स्वचालित ट्रेन टक्कर परिहार प्रणाली (कवच) की तत्काल स्थापना की वकालत की। वहीं, तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने टिप्पणी की कि मोदी सरकार के 10 साल बाद रेलवे आपातकालीन कक्ष चरण में प्रवेश कर गया है।

▸ दो की मौत, 20 यात्री घायल ▸ यूपी के गोंडा में हादसा, जांच के आदेश ▸ सीएम योगी ने राहत-बचाव कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

गोंडा में बेपटरी हुई डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस

दोपहर संवाददाता | गोंडा/लखनऊ

चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक ट्रेन की आठ बोगियां यूपी के गोंडा जिले में गुरुवार को पटरी से उतर गईं। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 अन्य घायल हैं। घटना की जांच कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी से कराने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि गोंडा-गोरखपुर रेल खंड पर मोतीगंज और झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ साप्ताहिक एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतर गए। उन्होंने दुर्घटना में दो लोगों की मौत की पुष्टि की। घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों के अस्पताल में समुचित उपचार के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। सीएम के निर्देश के बाद आसपास के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में बेड आरक्षित कर दिए गए। एनडीआरएफ समेत स्थानीय प्रशासन और रेलवे की टीमें युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य में जुटी गई।

बोगियों के शीशे तोड़कर निकाले गए यात्री

हादसे में कई एसी कोच बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यात्रियों को डिब्बों से शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया। जिला मुख्यालय स्थित मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध बाबू ईश्वर शरण अस्पताल में 86 बेड घायलों के लिए रिजर्व कर कोविड अस्पताल भी खाली कराया गया है। प्रदेश के राहत आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने बताया कि करीब 40 सदस्यीय मेडिकल टीम और 15 एम्बुलेंस को मौके पर लगाया गया।

अचानक बोगियां लहराई और पटरी से उतर गईं

दुर्घटनास्थल मोतीगंज के रामपुर गांव के पास मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रेन अचानक से लहराई और बोगियां धराशायी हो गईं। स्थानीय सांसद और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के अलावा रेलवे के अफसर भी मौके पर पहुंच गए।

मुख्य आरोपी भावेश भिंडे ने HC में लगाई जमानत याचिका

भिंडे ने बिलबोर्ड गिरने की घटना को बताया 'एक्ट ऑफ गॉड

घाटकोपर होर्डिंग मामला

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई के घाटकोपर हादसे के मुख्य आरोपी भावेश भिंडे ने खुद को निर्दोष बताते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। भिंडे ने रिट याचिका दायर करते हुए जमानत देने का मांग की है। हाई कोर्ट में दायर अपनी याचिका में भिंडे ने अजीब तर्क दिया है। भिंडे ने कहा है कि यह होर्डिंग ढहने का हादसा दैवीय घटना है। उन्होंने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए जमानत की मांग की है। भिंडे ने यह भी मांग की है कि मेरे खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द किया जाए।

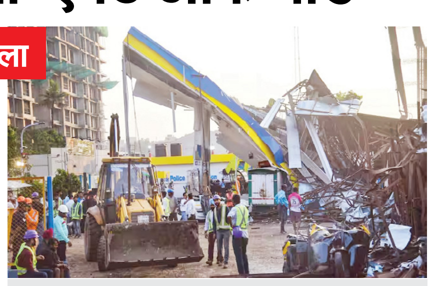

एगो मीडिया कंपनी का था होर्डिंग

घाटकोपर में जिस होर्डिंग के गिरने से लोगों की मौत हुई, वह एगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की थी और भावेश भिंडे इसके निदेशक हैं। इस वजह से पुलिस ने उन्हें हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए गिरफ्तार किया था। लेकिन अब भावेश ने गिरफ्तारी के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह दुर्घटना 13 मई को हुई थी, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 80 लोग घायल हो गए थे। भावेश भिंडे ने दावा किया कि यह एक प्राकृतिक आपदा थी और इसके लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

मौसम विभाग की भविष्यवाणी पर भी सवाल

भिंडे ने होर्डिंग गिरने की वजह को दैविक बताया है। उन्होंने इस मामले में 12 मई को जारी भारतीय मौसम विभाग के बुलेटिन का भी हवाला दिया जिसमें उन्होंने बताया कि मौसम विभाग ने 13 मई को मुंबई में तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी की भविष्यवाणी नहीं की थी, लेकिन, 13 मई को शाम 4 :15 बजे के आसपास, मुंबई में 60 किमी प्रति घंटे से 96 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चली, जो बहुत ही असामान्य था और पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था। हवा की तेज गति के कारण होर्डिंग गिर गया, लेकिन एफआईआर में यह आरोप लगाया गया है कि होर्डिंग निर्माण में लापरवाही के कारण ऐसा हादसा हुआ है।

शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को राहत

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे गुट को चुनाव आयोग से बड़ी राहत मिली है।

चुनाव आयोग ने शिवसेना (यूबीटी) पार्टी को सार्वजनिक चंदा स्वीकार करने की अनुमति दे दी है। चुनाव आयोग ने पार्टी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 बी और धारा 29 सी के तहत सार्वजनिक राशि स्वीकार करने की अनुमति दे दी है। यह राशि सरकारी कंपनी के अलावा किसी भी व्यक्ति या कंपनी द्वारा स्वेच्छा से दी जा सकती है। ठाकरे गुट में खुशी का माहौल चुनाव आयोग के फैसले से ठाकरे गुट में खुशी का माहौल है। चुनाव आयोग ने हाल ही में शरद चंद्र पवार की पार्टी एनसीपी को फंड स्वीकार करने की मंजूरी दे दी थी। शरद पवार के बाद उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग से इसकी मांग की थी। चुनाव आयोग ने उद्धव ठाकरे की इस मांग को मान लिया है। लोकसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना पार्टी के कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। लोकसभा चुनाव में ठाकरे गुट को अच्छी सफलता मिली है।

पुजारी ने मुस्लिम युवकों को फंसाने के लिए तोड़ी मूर्ति

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में एक पुजारी द्वारा 2 समुदायों के बीच झगड़ा लगाने की बड़ी साजिश उस समय नाकाम हो गई, जब कुछ छोटे बच्चों ने पुलिस को सच्चाई बताई। घटना कठेला समयमाता थाना क्षेत्र के अंतर्गत तौलिहवा की है। यहां एक मंदिर के पुजारी क्रिचराम ने 2 मुस्लिम लड़कों पर भगवान की मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाया था। पुलिस ने जांच की तो कुछ बच्चों ने पुजारी की असलियत बता दी। पुजारी ने अपना जुर्म कबूल लिया है।

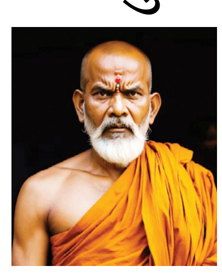

क्या है पूरा मामला?

पुलिस अधिकारी दकवेश कुमार ने बताया कि पुजारी क्रिचराम ने तहरीर दी कि गांव में रहने वाले 2 मुस्लिम लड़कों मन्नान और सोनू ने मंदिर में रखी गणेश की प्रतिमा को तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और प्रशासन के अधिकारियों के साथ गांव पहुंचे। जांच में पता चला कि घटना के समय मंदिर के पास कुछ बच्चे मौजूद थे। पुलिस ने उनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि मूर्ति को साधु बाबा ने तोड़ा है।

पुजारी ने क्यों तोड़ी थी मूर्ति?

पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने बच्चों की बात पर विश्वास करते हुए पुजारी से गहनता से पूछताछ की तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुजारी का सोनू और मन्नान का झगड़ा चलता रहता है, इसलिए पुजारी ने उनको मुकदमे में फंसाने के उद्देश्य से मूर्ति तोड़ दी और तहरीर थाने में दी।

ट्रेनी IAS ऑफिसर पूजा खेडकर की मां गिरफ्तार

20 जुलाई तक पुलिस हिरासत भेजी गई

मुनीब चौरसिया | पुणे

महाराष्ट्र के पुणे जिले की एक अदालत ने गुरुवार को ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को 20 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। उन्हें कथित तौर पर भूमि विवाद को लेकर कुछ लोगों को बंदूक दिखाकर धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मनोरमा को सुबह रायगढ़ जिले के महाड में एक लॉज से पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि वह वहां छिपी हुई थी। इसके बाद मनोरमा को पुणे जिले के पौड पुलिस थाने में लाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 20 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

रैपिड इन्फो : किसानों को धमकी देने का मामला

विवादित प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर का पूरा परिवार विवादों में आ गया है। पूजा खेडकर की मां मनोरमा का मुलशी में किसानों को धमकी देने का वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो के बाद मनोरमा खेडकर के खिलाफ पुणे के पौड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इसके बाद मनोरमा खेडकर फरार हो गई थी।

अब पिता पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

मनोरमा की गिरफ्तारी के बाद उनके पति और पूजा के पिता दिलीप खेडकर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह अब कोर्ट की शरण में हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए दिलीप खेडकर ने पुणे सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। मुलशी तालुका के धडवली गांव के किसानों को बंदूक से डराने-धमकाने के अपराध में दिलीप भी मनोरमा खेडकर के साथ आरोपी हैं। इसी आरोप में मनोरमा की गिरफ्तारी हुई है। एफआईआर में दिलीप का भी नाम है। पुणे पुलिस दिलीप खेडकर की तलाश कर रही है।

श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को श्रीलंका दौरे के लिए स्क्वॉड की घोषणा कर दी। भारत को श्रीलंका में तीन मैचों की टी20 और इतने ही मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलनी है। सीरीज का आगाज 27 जुलाई से होगा। यह गौतम गंभीर की बतौर हेड कोच पहली सीरीज है। भारतीय टीम सेलेक्शन में गंभीर की छाप साफ नजर आ रही है। चलिए, आपको भारतीय स्क्वॉड से जुड़ी पांच बड़ी बातें बताते हैं। स्टार बल्लेबाज सूर्याकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की बागडोर सौंपी गई है। उन्होंने कप्तानी की रेस में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को पछाड़ा है।

विधानसभा चुनाव को लेकर एकनाथ शिंदे का एक्शन प्लान

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकारी आवास 'वर्षा' पर गुरुवार को शिवसेना पार्टी की अहम बैठक हुई। बैठक में खुद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शामिल हुए। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक करीब 4 घंटे तक चली। इस बैठक में शिवसेना के सभी विधायक, मंत्री और अन्य प्रमुख अधिकारी मौजूद थे। इस बैठक में फैसला लिया गया कि विधानसभा चुनाव में शिवसेना कुल 110 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। एकनाथ शिंदे ने हर विधायक से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान देने की अपील की है। साथ ही एकनाथ शिंदे ने सभी विधायकों से अपील की कि वे इस बात का ख्याल रखें कि सभी को पूरी मजबूती से चुनाव में उतरना है।

110 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की शिंदे की तैयारी

शिवसेना की ओर से110 विधानसभा निरीक्षकों की नियुक्ति होनी है। साथ ही प्रभारियों की नियुक्ति भी कर दी गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सुझाव दिया कि सदस्यता पंजीकरण पर जोर दिया जाना चाहिए। शिवसेना युवा सेना महिला अघाड़ी पद पर नियुक्ति करें। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सुझाव दिया कि सभी को अपने निर्वाचन क्षेत्र पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम महागठबंधन में लड़ना चाहते हैं। एक-दूसरे की आलोचना करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। महिला, युवा कार्यकर्ताओं का सदस्यता पंजीकरण प्रारंभ करें। शिंदे ने कहा कि पंजीकरण कार्य में तेजी लाएं। उनके निर्वाचन क्षेत्र में प्रमुख दावेदार कौन है? इस पर काम करेंगे। एकनाथ शिंदे ने पदाधिकारियों से कहा कि जो चयनित होंगे, उन्हें ही टिकट आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। एकनाथ शिंदे विधानसभा की 110 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे ने इसके लिए 110 इंस्पेक्टरों की नियुक्ति भी की है। शिवसेना के नेता और पूर्व सांसद हेमंत गोड़से ने कहा किसीएम के सरकारी निवास वर्षा में हुई बैठक में शिवसेना महायुति में नब्बे से सौं सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग की है। 288 में से 126 सीट चिन्हित किए गए हैं, जहा पर शिवसेना के कैडर मजबूत हैं। इन 126 में से कितने सीटों पर एनडीए लड़ेगी। इसका फैसला बीजेपी, अजित पवार और एनसीपी के साथ चर्चा कर किया जाएगा।

कुछ सीटों पर बदले जा सकते हैं उम्मीदवार

एकनाथ शिंदे ने कहा है कि अगर सीट बदलनी पड़ी तो इसके लिए मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। एकनाथ शिंदे के सुझाव ने विधायकों में हलचल पैदा कर दी है, क्योंकि लोकसभा चुनाव में पूर्व सांसद भावना गवली का टिकट काट दिया गया था। नतीजा ये हुआ कि शिवसेना को एक सीट का नुकसान हुआ। इसके अलावा नासिक सीट की घोषणा पहले की गई होती तो पूर्व सांसद हेमंत गोडसे इतने आक्रामक ढंग से प्रचार नहीं कर पाते। एकनाथ शिंदे ने बैठक में संकेत दिया कि कुछ सीटों पर उम्मीदवार बदले जा सकते हैं। इसके पहले लोकसभा चुनाव में कुछ प्रत्याशियों की अदला-बदली होती देखी गयी थी। न केवल महायुति बल्कि महाविकास अघाड़ी में भी ऐसा ही देखने को मिला था। कांग्रेस ने ठाकरे समूह की कोल्हापुर सीट पर दावा किया। कोल्हापुर में ठाकरे गुट के नेता कांग्रेस का विरोध नहीं कर सके। क्योंकि वहां छत्रपति परिवार के वंशज शाहू महाराज छत्रपति उम्मीदवार थे। लेकिन सांगली में उम्मीदवारों की अदला-बदली या सीटों की अदला-बदली की स्थिति में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

पुलिस के हत्थे चढ़ा एमडी विक्रेता

2 लाख 66 हजार का मेफेड्रॉन पावडर जब्त

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के भोईवाड़ा पुलिस ने एक एमडी विक्रेता को गिरफ्तार कर उसके पास से लाखों रूपये के मेफेड्रोन (एमडी) बरामद किया है, जिसे पुलिस ने भिवंडी न्यायालय में पेश किया गाय।

एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज

पुलिस की जानकारी के अनुसार, भोईवाड़ा पुलिस को सूचना मिली थी कि धामनकर नाका स्थित सोनी कंपाउंड के पास एक व्यक्ति एमडी की बिक्री करने आने वाला है। जानकारी मिलते ही भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक अजय आपडे के मार्गदर्शन में क्राइम पीआई संदीप रासकर व पुलिस हवलदार नंदकिशोर देवीदास सोनगिरे सहित पुलिस टीम ने वहां जाल बिछाया और मो. सबीर शाह मो. खान 42वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से पुलिस ने 2 लाख 66 हजार रूपये कीमत की मेफ़ेड्रोन (एमडी) बरामद किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी इतनी मात्रा में नशीली प्रदार्थ एमडी पॉवडर बिक्री करने के उद्देश में था जिसे पुलिस ने धरदबोचा है। जिसके खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उक्त गिरफ्तार आरोपी को भिवंडी न्यायालय में पेश किया जहां न्यायालय ने आरोपी को चार दिनों की पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। इस मामले की आगे की कार्रवाई क्राइम पीआई संदीप रासकर कर रहे हैं।

सीबीआई ने मुंबई के कस्टम अधीक्षक को किया गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की मुंबई टीम ने सीमा शुल्क विभाग (कस्टम) के मुंबई अधीक्षक कुमार साकेत को गिरफ्तार किया है। उन पर एक आयात खेप को मंजूरी देने के लिए कथित तौर पर 80 हजार रुपये की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने का आरोप है। फिलहाल सीबीआई के अधिकारी कुमार साकेत से पूछताछ कर रहे हैं।

एक व्यवसायी की शिकायत के आधार पर की गई गिरफ्तारी

कुमार साकेत की गिरफ्तारी पुणे के एक व्यवसायी की शिकायत के आधार पर की गई है। व्यापारी ने आरोप लगाया था कि साकेत ने 6 जुलाई को मुंबई इंटरनेशनल कूरियर टर्मिनल पर पहुंची आयात खेप को मंजूरी देने के लिए एक लाख रुपये की मांग की थी। गवाहों की मौजूदगी में शिकायत की पुष्टि करने के बाद, सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, धारा 7 के तहत साकेत के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

मोदी सरकार के खिलाफ शिवसैनिकों द्वारा विरोध प्रदर्शन

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रहे आतंकी हमलों में शहीद हुए जवान के मुद्दा और केंद्र सरकार की गलत नीतियों को लेकर शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पदाधिकारियो ने डोंबिवली के इंदिरा चौक पर नरेंद्र मोदी सरकार हाय हाय, मोदी सरकार को उखाड़ फेंको जैसे नारे लगाते हुए हाथों में तख्तियां लेकर मोदी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

सरकार की गलत नीति की वजह से जा रही जवानों की जान

2014 में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद नरेंद्र मोदी की सरकार के दौरान भारत पर कई आतंकी हमले हुए हैं। भारतीय सीमा पर अपनी जान जोखिम में डालकर देश की रक्षा करने वाले जवानों को सरकार की गलत नीति का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। केंद्र सरकार की इस गलत नीति के विरोध में आज डोंबिवली में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी ने सार्वजनिक रूप से निंदा की और विरोध प्रदर्शन किया। पिछले 38 दिनों में भारत पर नौ से दस आतंकियों ने हमला किया है। इसमें 12 भारतीय जवान शहीद हो गए और 13 अन्य घायल हो गए। साथ ही 10 नागरिकों की मौत हो गई और 44 लोग घायल हो गए। डोंबिवली शिव सेना शहर शाखा की ओर से नरेंद्र मोदी सरकार की निंदा की। इस विरोध प्रदर्शन में कल्याण जिला प्रमुख सदानंद थरवल, उपनगर प्रमुख अभिजीत थरवल, सतीश मोडक समेत सैकड़ों शिवसैनिक शामिल हुए।

तड़ीपार आरोपी को पकड़ने गए पुलिस से धक्कामुक्की

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के शहर पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक तड़ीपार आरोपी को पकड़ने का प्रयास कर रहे पुलिस नाईक के साथ आरोपी ने धक्कामुक्की कर फरार होना चाहा परंतु पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है मामला?

पुलिस के मुताबिक, भिवंडी परिमंडल 2 के पुलिस उपायुक्त के आदेश पर नवी बस्ती निवासी अब्दुल खालिद मोमिन 22 वर्षीय युवक को 30 अप्रैल 2024 को एक वर्ष के लिए ठाणे जिला से तड़ीपार किया गया था। उक्त आरोपी ने पुलिस उपायुक्त के आदेश का उलंघन कर पुलिस की बिना अनुमति के नवी बस्ती इलाके में दिखाई दिया, जिसकी जानकारी मिलते ही शहर पुलिस ने जब आरोपी को नवी बस्ती इलाके स्थित केजीएन चौक पर पकड़ने गई तब आरोपी ने पुलिस नाईक संतोष मारुती के साथ धक्कामुक्की कर भागना चाहा परंतु पुलिस ने अपनी गिरफ्त मजबूत करते हुए आरोपी अब्दुल खालिद मोमिन को पकड़ लिया है। इसके खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 132 व महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की कलम 142 के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में आगे की कार्रवाई एपीआई मिथुन भोईर कर रहे है।

मुंबई को स्लम मुक्त बनाने के लिए एसआरए में स्थायी अधिकारी

मंत्री के सकारात्मक रुख का अधिकारियों ने किया स्वागत

दीपक पवार । मुंबई

मुंबई को स्लम मुक्त बनाने के लिए स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) के सभी विभागों में स्थायी अधिकारियों के पद भरने का सवाल विधानसभा में उठाया गया। आवास मंत्री ने इस पर सकारात्मक निर्णय लेने का वादा किया है। इस फैसले का स्वागत करते हुए अधिकारी अब एसआरए में स्थायी अधिकारियों और कर्मचारियों की मांग कर रहे हैं।

सभी पद प्रतिनियुक्ति एवं संविदा पद्धति से भरे जा रहे

स्लम पुनर्वास प्राधिकरण की स्थापना के दौरान प्राधिकरण की पहली बैठक में झुग्गीवासियों के पुनर्वास को समयबद्ध कार्यक्रम के माध्यम से 4 वर्षों में पूरा करने का निर्णय लिया गया था। उस समय एक प्रस्ताव पारित किया गया कि ज़ोपू प्राधिकरण की स्थापना में अधिकारियों/कर्मचारियों को बिना स्थाई भर्ती किये सरकार द्वारा प्रतिनियुक्ति पर लिया जाये। तदनुसार आज तक सभी पद प्रतिनियुक्ति एवं संविदा पद्धति से भरे जा रहे हैं। इसके अनुसार, झुप प्राधिकरण के सदस्यों ने स्लम पुनर्वास प्राधिकरण मुंबई कार्यालय की स्वीकृत संरचना के 30% पर आवास विभाग के अधिकार क्षेत्र के तहत म्हाडा प्राधिकरण से झुप प्राधिकरण के अनुभव वाले इंजीनियरों को स्थायी रूप से नियुक्त करने का प्रस्ताव पारित किया है। इसी संकल्प के तहत प्रतिनियुक्ति के माध्यम से अधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है।

एयर इंडिया की फर्जी पायलट ने लगाया 27 लाख का चूना

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आरसीएफ पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में एक महिला को अपने पिता के सहकर्मी से २७ लाख रुपए ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसने अपने पिता के सहकर्मी के बेटे को पायलट ट्रेनिंग स्कूल में दाखिला और पायलट की नौकरी दिलाने का झांसा देकर २७ लाख रुपए का चूना लगाया है।आरसीएफ पुलिस ठाणे के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक केदारी पवार ने बताया कि महिला खुद को एयर इंडिया का पायलट बताती थी और वर्दी पहनकर घूमती थी। उसने अपने माता-पिता से भी झूठ बोला था कि वो एयर इंडिया में पायलट है। उन्होंने बताया कि चेंबूर निवासी २३ वर्षीया शारदी शशिकांत पाई ने अपना बीएमएस पूरा कर लिया था और अपने माता-पिता से भी यह कहकर पैसे लिए थे कि वह पायलट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में दाखिला ले रही है। पीड़ित प्रशांत म्हात्रे ने अपने बयान में कहा कि उनका बेटा अनिकेत पायलट कोर्स करना चाहता था, चूंकि पाई के पिता और म्हात्रे एक ही कंपनी में काम करते हैं इसलिए पाई ने म्हात्रे को बताया था कि उनकी बेटी कोर्स कर रही है।

'सरकार हॉकर कानून लागू नहीं करना चाहती'

फेरीवालों के संगठन का आरोप

दोपहर संवाददाता । मुंबई

सीटू से संबद्ध जनवादी हॉकर्स सभा, आज़ाद हॉकर्स यूनियन और कई हॉकर्स एसोसिएशन ने आज़ाद मैदान मुंबई में एक भव्य मार्च का आयोजन किया। मुंबई समेत राज्य के कई जिलों से करीब 3000 फेरीवाले मौजूद थे। मांग को लेकर फेरीवाले आक्रामक थे। जनवादी हॉकर्स मीटिंग में सबसे ज्यादा भागीदारी रही। कार्यक्रम का संचालन आजाद हॉकर्स यूनियन के जयशंकर सिंह ने किया।

मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना में भाग लेने के लिए ठाणे मनपा की कार्यशाला

दोपहर संवाददाता । ठाणे

मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना के कार्यान्वयन की जानकारी देने के लिए आज गुरुवार 18 जुलाई को ठाणे नगर निगम के नरेंद्र बल्लाल सभागार में महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला के माध्यम से नारी शक्ति दूत ऐप पर जानकारी कैसे भरें, दस्तावेजों की जांच और अपलोड कैसे करें, इसके निर्देश भी दिए गए। इस योजना के लिए ठाणे नगर निगम के माध्यम से हेल्प डेस्क शुरू किए गए हैं।

मंत्रियों के बंगलों पर करोड़ों रुपये खर्च लेकिन नेता प्रतिपक्ष के सरकारी बंगले की छत लीक

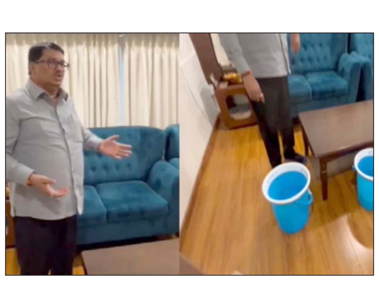

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने इस वर्ष मंत्रियों के बंगलों पर करोड़ों रुपये खर्च किए हैं। इसके बाद भी इस बारिश में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष का सरकारी बंगला लीक हो रहा रहा है। छत टपक रही है। इससे बंगले में जगह-जगह बाल्टी रखनी पड़ रही है। विपक्षी नेता विजय वडेट्टीवार ने तंज कसते हुए कहा कि अब सरकार के बह जाने का वक्त आ गया है, जिसकी शुरुआत सरकारी बंगलों से हो गई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार किस कदर है कि बंगले में बारिश का पानी लीक होना अपने आप बयां कर रहा है।

वडेट्टीवार को मंत्रालय के पास सी 6 प्रचितगढ़ बंगला आवंटित

राज्य सरकार की ओर से विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार को मंत्रालय के पास सी 6 प्रचितगढ़ बंगला आवंटित किया गया है। मंत्रालय के पास बंगला मिलने पर विजय बडेट्टीवार ने सरकार की सराहना भी की थी लेकिन बारिश में उनके बंगले की छत टपकने लगी है। विजय बडेट्टीवार ने कहा कि सरकार सिर्फ लोकलुभावन घोषणाएं कर रही है। हर बिल में कमीशन वसूला जा रहा है। बंगलों पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए तो ऐसी हालत नहीं होनी चाहिए थी। वडेट्टीवार ने कहा कि कई ठेकेदारों के बिल अभी भी लंबित हैं।

मंत्रियों के बंगलों पर करोड़ों खर्च

फरवरी, 2024 में अजित पवार के देवगिरी बंगले पर 19 लाख 89 हजार रुपये, सुधीर मुनगंटीवार के पर्णकुटी बंगले पर 1 करोड़ 50 लाख रुपये, राधाकृष्ण विखे-पाताल के रॉयलस्टोन पर 1 करोड़ 58 लाख रुपये, गुलाबराव पाटल के जेतवन पर 1 करोड़ 58 लाख रुपये, दीपक केसरकर के रामटेक पर 1 करोड़ 15 लाख रुपये, तानाजी सावंत के लोहगढ़ बंगले पर 75 लाख 42 हजार रुपये, अतुल सावे के शिवगढ़ पर 87 लाख 46 1 करोड़ 4 लाख रुपये, शंभुराज देसाई की पवनगढ़ पर 83 लाख 24 हजार रुपये, चंद्रकांत पाटिल के सिंहगढ़ पर 52 लाख 37 हजार रुपये, राहुल नार्वेकर के शिवगिरी पर 42 लाख रुपये, विजयकुमार गावित के चित्रकुट पर 1 करोड़ 54 लाख रुपये, उदय सामंत के मुक्तागिरी पर 1 करोड़ 16 लाख रुपये, संदीपन भूमरे के रत्नसिंधु पर 37 लाख 26 हजार रुपये, दिलीप वलसे पाटिल के सुवर्णगढ़ पर 37 लाख 26 हजार रुपये, अब्दुल सत्तार के पन्हालगढ़ पर 73 लाख रुपये, अदिति तटकरे के प्रतापगढ़ बंगले पर 50 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। सरकारी बंगलों के इन खर्चों में विपक्षी नेता के बंगले का जिक्र ही नहीं है। चर्चा है कि सरकार ने जानबूझकर नेता प्रतिपक्ष के बंगले की मरम्मत नहीं करवाई, इसीलिए उनका बंगला लीक हो रहा है।

विशालगढ़ हिंसा के आलोक में कांग्रेस ने स्थानीय अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दोपहर संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कोल्हापुर में विशालगढ़ किले में अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान हुई हिंसा के मामले में बृहस्पतिवार को उच्च स्तरीय जांच और जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखे पत्र में राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि विशालगढ़ में अतिक्रमण हटाने के नाम पर सिर्फ और सिर्फ एक विशिष्ट समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि विशालगढ़ के गाजापुर में हुई हिंसा सरकार द्वारा प्रायोजित थी। मुख्य अपराधी का पर्दाफाश किया जाना चाहिए।

गड्ढे में डूबने से 6 वर्षीय बच्चे की मौत

दोपहर संवाददाता । उत्तन

येडू कंपाउंड इलाके में अपनी नानी के पास आए एक 6 वर्षीय बच्चे की बरसात के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई है। इस घटना की रिपोर्ट उत्तन पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। मृतक बच्चे का नाम किरण हर्षद कॉलर (6) है, जो मीरा रोड के काशीमीरा का निवासी था। कुछ दिन पहले वह अपनी मां के साथ उत्तन स्थित येडू कंपाउंड में अपनी नानी के घर आया था। बुधवार की सुबह वह काफी समय से दिखाई नहीं दिया, जिससे उसकी मां उसे ढूंढ़ने लगी। खोज के दौरान घर के पास एक गड्ढे के पास उसकी चप्पल मिली, जिससे संदेह हुआ कि वह पानी में डूब गया है। परिवार ने तुरंत महापालिका के अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

मुंबई में भारी बारिश जारी

दादर-परेल समेत कई इलाकों में जलभराव की शिकायत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बारिश ने फिर पलटी मारी है। कई जिलों में बारिश की वजह से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। मुंबई में गुरुवार तड़के से जारी भारी बारिश के कारण शहर के कुछ हिस्सों में जलभराव हो गया। स्थानीय लोगों ने गांधी मार्केट, दादर, हिंदमाता, परेल, अंधेरी सबवे और सायन जैसे निचले इलाकों में जलभराव की शिकायत की, जिससे यातायात धीमा पड़ गया। हालांकि, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के प्रवक्ता ने कहा कि जलभराव की कोई सूचना नहीं है। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार सुबह आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में शहर में औसतन 83 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है

घाटकोपर होर्डिंग हादसा

'GRP आयुक्त ने सुरक्षा चेतावनियों को नजरअंदाज किया'

निलंबित IPS अधिकारी कैसर खालिद ने SIT को दी जानकारी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

घाटकोपर होर्डिंग दुर्घटना मामले को लेकर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के निलंबित अधिकारी कैसर खालिद ने बड़ा खुलासा किया है। घटना की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने खालिद ने दावा किया कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के निवर्तमान आयुक्त रवींद्र शिसवे ने सुरक्षा चेतावनियों की अनदेखी कर होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी। उन्होंने कहा कि शिसवे ने न तो अवैध होर्डिंग के बड़े आकार से जुड़ी शिकायतों पर कोई कार्रवाई की और न ही इसके टिकने की क्षमता परखी। हादसे के समय जीआरपी के आयुक्त रहे खालिद ने यह भी दावा किया कि कार्यालय नोट के माध्यम से ये शिकायतें शिसवे के समक्ष उठाई गई थीं। आपको पता हो कि आईपीएस खालिद को पुलिस महानिदेशक कार्यालय से मंजूरी लिए बिना खुद होर्डिंग लगाने की मंजूरी देने के लिए प्रशासनिक लापरवाही और अनियमितताओं के आरोप में निलंबित कर दिया गया था। उनका बयान मुंबई अपराध शाखा की एसआईटी द्वारा पिछले सप्ताह मजिस्ट्रेट अदालत में दाखिल आरोपपत्र का हिस्सा है।

एसआईटी को खालिद ने बताया

खालिद ने एसआईटी अधिकारियों को बताया कि उन्होंने अधिकतम 200 वर्ग फीट तक का होर्डिंग लगाने की मंजूरी दी थी। यह निर्णय स्थानीय मिट्टी और जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए साइट पर मौजूद अन्य होर्डिंग के लिए आवश्यक सुरक्षा शर्तों पर आधारित था। खालिद के मुताबिक, उन्होंने होर्डिंग को पेट्रोल पंप के पास लगाए जाने की बात को भी ध्यान में रखा था और इसे लगाने वाली कंपनी ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड को जारी निविदा आवंटन आदेश में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की ओर से निर्धारित अतिरिक्त शर्तें भी शामिल की थीं।

होर्डिंग के आकार को बढ़ाने का प्रस्ताव

ईगो मीडिया ने 19 दिसंबर 2022 को संशोधित किराये के लिए आवेदन किया, जिसमें होर्डिंग के आकार को बढ़ाकर 33,600 वर्ग फीट करने का प्रस्ताव दिया गया था। हालांकि, ट्रांसफर आदेश के अधीन कार्य कर रहे खालिद ने इसे नीतिगत मामला मानते हुए कोई निर्णय लेने से इनकार कर दिया और कार्यालय से कहा कि वह इस मामले को नये जीआरपी आयुक्त शिसवे के समक्ष रखें।

शिसवे के समर्थन से जारी रहा काम

इस बीच, बीपीसीएल ने पेट्रोल पंप को आवंटित भूखंड पर ईगो मीडिया लिमिटेड द्वारा होर्डिंग लगाने के लिए बड़े दायरे में की जा रही खुदाई पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) की लाइसेंस शर्तों का उल्लंघन है। खालिद ने दावा किया कि बीपीसीएल ने कंपनी से खुदाई रोकने और मिट्टी भरकर उक्त हिस्से का मूल स्वरूप बहाल करने का अनुरोध किया था। खालिद ने कहा कि चूंकि, भूमि जीआरपी मुंबई की थी, इसलिए यह तय किया गया कि बीपीसीएल की आपत्ति के कोई मायने नहीं हैं। उन्होंने दावा किया शिसवे और एगो मीडिया के मौन समर्थन से होर्डिंग निर्माण का काम बेरोक-टोक जारी रहा, जिसके परिणामस्वरूप वहां 33,800 वर्ग फीट का एक विशाल होर्डिंग खड़ा कर दिया गया।

GRP आयुक्त ने नहीं की कार्रवाई

खालिद के अनुसार, "होर्डिंग लगाए जाने के बाद कई राजनीतिक, सामाजिक और गैर-सरकारी संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने पुणे में लगाई गई ऐसी ही एक होर्डिंग का हवाला दिया, जिसके गिरने से पांच लोगों की दबकर मौत हो गई थी।" खालिद ने आरोप लगाया, "शिसवे ने इन शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने न तो होर्डिंग के टिकने की क्षमता परखवाई और न ही शिकायतों में उठाए गए मुद्दों पर ध्यान दिया। ये सभी शिकायतें कार्यालय नोट के माध्यम से उनके सामने रखी गई थीं। हालांकि, उन्होंने इन शिकायतों पर कोई भी आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। इससे स्पष्ट है कि अवैध होर्डिंग के निर्माण और संचालन में एगो मीडिया को उनका समर्थन हासिल था।"

अनमोल विचार कला एक झूठ है जो हमें सत्य का एहसास कराती है : एडगर डेगास

'भाजपा के कई विधायक शरद पवार के गुट में होना चाहते हैं शामिल'

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में हर दिन अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। किसी दिन राजनीतिक दल मराठा आरक्षण को लेकर आमने-सामने आ रहे हैं, तो किसी दिन विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी-अपनी दावेदारी कर रहे हैं। इस कड़ी में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख ने बड़ा दावा किया है। अनिल देशमुख का कहना है कि भाजपा के कई विधायक शरद पवार-नीत एनसीपी में शामिल होना चाहते हैं।

पूर्व मंत्री अनिल देशमुख का दावा

हाल ही अजित गुट के कुछ नेताओं ने दिया इस्तीफा

बता दें हाल ही में एनसीपी-अजित गुट के पिंपरी-चिंचवड प्रमुख अजित गव्हाने और दो पूर्व पार्षदों ने पार्टी से इस्तीफा दिया है। जिसका हवाला देते हुए अनिल देशमुख ने कहा कि शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी में पूर्व पार्षदों के शामिल होने की शुरुआत हो चुकी है। बता दें कि अजित गव्हाने ने बुधवार को कहा था वो शरद पवार का आशीर्वाद लेंगे।

'शरद पवार ही तय करेंगे कौन एनसीपी (सपा) में आएगा'

नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में वरिष्ठ एनसीपी (सपा) नेता अनिल देशमुख ने दावा किया कि भाजपा के कुछ विधायक भी उनकी पार्टी का हिस्सा बनने में रुचि रखते हैं, क्योंकि वे सरकार में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से निराश हैं। उन्होंने कहा, एनसीपी (अजीत पवार के नेतृत्व वाली) के विधायक भी वापस आएंगे। हालांकि, शरद पवार तय करेंगे कि किसे एनसीपी (सपा) में लिया जाएगा।

अजीत पवार बना रहे हैं अपनी पार्टी: अनिल देशमुख

वहीं यह पूछे जाने पर कि क्या अजीत पवार उनमें से एक हैं, इस पर अनिल देशमुख ने कहा, वह अपनी पार्टी बना रहे हैं। उन्हें इसका विस्तार करने दीजिए। शरद पवार ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी में किसी भी नेता के संभावित प्रवेश पर निर्णय सामूहिक होगा, उन्होंने इस बात की पुष्टि करने से इनकार कर दिया कि अगर अजित पवार वापस लौटना चाहते हैं तो उन्हें शामिल किया जाएगा या नहीं।

जुलाई 2023 में हुआ था एनसीपी का विभाजन

जुलाई 2023 में शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का विभाजन हुआ था, जब अजित पवार कुछ विधायकों को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में शामिल हो गए थे। हाल के दिनों में अजित पवार खेमे में अशांति की अटकलें तब लगने लगीं जब उनके नेतृत्व वाली एनसीपी ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में जिन चार सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से तीन सीटें हार गईं।

राज्य सरकार पर भी जमकर बरसे अनिल देशमुख

नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, अनिल देशमुख ने गुरुवार को राज्य सरकार से उनके खिलाफ रिश्वतखोरी के आरोपों की जांच करने वाले आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करने को कहा और चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह अदालत जाएंगे। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार पर चांदीवाल आयोग की रिपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाए रखने का आरोप लगाया, जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें क्लीन चिट दी गई है।

रिश्वतखोरी केस की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक हो: अनिल देशमुख

अनिल देशमुख कहा कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने उनके खिलाफ आरोप लगाया था, जब वह राज्य के गृह मंत्री थे, जिसके बाद उन्होंने खुद तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से जांच शुरू करने को कहा था। उन्होंने कहा कि राज्य ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश कैलाश चांदीवाल के नेतृत्व में एक आयोग का गठन किया था, जिसने दो साल पहले 11 महीने बाद 1,400 पन्नों की रिपोर्ट पेश की थी। बता दें ईडी ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में देशमुख को पहली बार नवंबर 2021 में गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने उन्हें औपचारिक रूप से अप्रैल 2022 में गिरफ्तार किया था।

'लोकसभा चुनाव में हार के बाद मुफ्त के तोहफे बांट रही महायुति सरकार'

सीएम शिंदे पर बरसे संजय राउत

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। अब शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने महायुति गठबंधन सरकार पर निशाना साधा है। संजय राउत का कहना है कि महाराष्ट्र सरकार आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबने के बाद भी मुफ्त में उपहार बांट रही है। इससे ठीक एक दिन पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने युवाओं के लिए 'लाड़का भाऊ (लाडला भाई)' योजना का ऐलान किया था। शिंदे ने कहा था कि इस योजना के तहत 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले युवाओं को 6,000 रुपये प्रति माह, आईटीआई और डिप्लोमा धारकों को 8,000 रुपये प्रति माह और स्नातक डिग्री धारकों को 12,000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।

'महिलाओं को भी दिए जाएं 10,000 रुपए प्रति माह'

इसके अलावा सीएम एकनाथ शिंदे ने 'मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन' योजना की भी घोषणा की है। इसके तहत 21 से 60 वर्षों की शादीशुदा, तलाकशुदा और गरीब महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने की घोषणा की गई। इसे लेकर शिवसेना-यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा, 'महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार की 'लाड़की बहन' योजना की नकल की है।

सार्वजनिक सूचना

इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से सभी लोगोंको सूचित किया जाता है की, अधिभोग वर्ग-१ भूमि का निम्नलिखीत विवरण ग्राम सुर्यमाळ तहसिल मोखाडा, जिला-पालघर में श्री. महेंद्र नारायण मोरे और श्री. निलेश रघुनाथ मोरे के स्वामित्व और कब्जे में है।

संपत्ति का विवरण:-

क्रमांक: १) ग्राम : सुर्यमाळ गट क्रमांक: ९२/अ खाते क्र. २२९ क्षेत्र (हे.आर.): ०.७६.०० पो.ख. १,०५,००, एकूण १.८१.०० आकार (रू.पै.): ०.१९

क्रम संख्या १ भूमि (गट संख्या २) की सीमा निग्नानुसार है:-

पूर्वे की ओर :गट क्रमांक ९३ की जमिन

पश्चिम की ओर: रास्ता

दक्षिण की ओर:गट क्रमांक २८/९, २८/२ की जमिन

उत्तरे की ओर:रास्ता

यदयपी हमारे मुवक्कील ने उपरोक्त भूमि को भूमि स्वामी से खरीदने का निर्णय लिया है और उनके बिच बातचीत चल रही है, यदी उक्त भूमि पर कोई बंधक, दान, उपहार, विक्री, समझौता, खरीद विलेख, अदालती सिव्हील और क्रिमिनल लंबित मुकदमा, केस, अपिल, दरखास्त, या कोई अन्य अधिकार ब्याज है. या भूमि का कोई भाग किसी विलेख से बंधक है, तो यह सुचना लिखीत आपत्ती दस्तावेजों के साथ निम्नलिखीत पते पर भेजें। यदि प्रकाशन की तारीख से १४ दिनों के भितर कोई आपत्ति नहीं उठाई जाती है, तो हम उक्त भूमि को भारमुक्त मान लेंगे और निम्नलिखीत लेनदेन पूरा कर लेंगे। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

तारीख :- १८/०७/२०२४

ॲड. डी. व्ही. गायकवाड
(खरीददार के वकील)
ॲड. धरमसेन व्ही. गायकवाड,
पता:-बी/०३, पहली मंजील, बी विंग,
रॉयल पॉईंट-२ नवली रोड, पालघर (प.),
ता. जि. पालघर,
मो. नं. ९२२६१६७६५९ / ९९७५१८२८६५

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना जनता को दी जाती है कि **फ्लैट संख्या 601/6वीं मंजिल, टॉवर संख्या 15,अटलांटा ईडन वर्ल्ड, भदवाड़ रोड-भिवंडी 421302** श्री बलराम के. जोशी के स्वामित्व में है, जिसका कारपेट एरिया 716 वर्ग फीट है। (सर्वे संख्या 69/1) जिसने उक्त फ्लैट मेसर्स साईं बालाजी डेवलपर्स से खरीदा था 17 दिसंबर 2015 को श्री जितेंद्र साधुराम औचानी द्वारा मेसर्स साईं बालाजी डेवलपर्स की ओर से निष्पादित बिक्री विलेख के तहत।

चूंकि श्री बलराम के. जोशी का निधन 04.07.2020 को हुआ ("मृत" श्री विकास बलराम जोशी को पीछे छोड़ते हुए) केवल कानूनी उत्तराधिकारी (उत्तराधिकारी) साई निवास बंगला नंबर 68, भदवाड़, तिरुपति हाइट्स बिल्डिंग के सामने, भिवंडी, ठाणे 421302 में रहते हैं। श्री विकास बलराम जोशी उक्त फ्लैट को सुश्री रमा त्रिपाठी को बेचने के इच्छुक हैं। वे मकान नंबर 72, फ्लैट नंबर 103 ए-1बी, साई रेजीडेंसी, पुलिस लाइन रोड, आर के स्टेडियम के पास, भदवाड़, भिवंडी, ठाणे 421302 में रहते हैं।

सभी बैंकों, वित्तीय संस्थानों, व्यक्तियों, बिल्डरों, सोसायटियों आदि से अनुरोध है कि वे मेरे मुवक्किल या मुझे उनके वकील के रूप में किसी भी दावे, किसी भी व्यक्ति के दावों, आपत्तियों के बारे में सूचित करें, जो आवेदन संपत्ति में अधिकार, शीर्षक, हित के माध्यम से रिलीज/कानूनी वारिस आदि के रूप में है। प्रकाशन की तारीख से 7 दिनों के भीतर पर्याप्त सबूत के साथ अन्यथा यह माना जाएगा कि इस पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।

हस्ता/-
एडवोकेट साजिद कुरैशी.
संपर्क:9321917149
श्री विकास बलराम जोशी. साई निवास बंगला नंबर 68 भदवाड़, तिरुपति हाइट्स बिल्डिंग के सामने, भिवंडी, ठाणे 421302
स्थान: भिवंडी
दिनांक: 16/07/2024

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण

- सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (जनवरी 2018 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में **परिमंडल-7** के अंदर आर/उत्तर विभाग से 02 प्रस्ताव और आर/दक्षिण विभाग से 01 यानी कुल **3** प्रस्ताव वृक्षों को हटाने के लिए मनपा आयुक्त/अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी)/ की मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ है।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुनर्रोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के www. mcgm.gov.in वेबसाइट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका-गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण-वृक्ष प्राधिकरण सार्वजनिक सूचना- विज्ञ.7 दिन,25 से ऊपर-W.S.-Z-VII-22 वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उपरोक्त प्रस्ताव के संबंध में नागरिकों की कुछ आपत्तियां व सुझाव आने पर इस विज्ञापन के छपने से 7 दिन के अंदर लिखित स्वरूप में निर्धारित प्रारूप में उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में पेश किया जाए।

उसी तरह आप अपनी आपत्तियां/सुझाव निर्धारित प्रारूप में dysg.ta@mcgm.gov.in ईमेल आईडी पर जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय पर पेश की गई आपत्तियों/सुझाव पर विचार किया जाएगा। उक्त तिथि के बाद प्राप्त ईमेल या लिखित सुझाव/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त सुझाव और आपत्तियों के संबंध में सुनवाई **31/07/2024** के दिन उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में दोपहर को 4.30 से 5.00 बजे के दरम्यान किया जाएगा। जो लोग इस सुनवाई में उपस्थित होना आवश्यक समझते हैं वे उपस्थित रह सकते है वे ई-मेल, सुझाव/आपत्तियों की एक प्रति के साथ।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण के वृक्ष अधिकारी
पेंग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड,
भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
दूरभाष क्रमांक-022-23742162
ईमेल- dysg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता.
पीआरओ/555/विज्ञा./2024-25
उद्यान अधीक्षक व वृक्ष प्राधिकरण

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

शरद खेमे में 29 पार्षद जाने के बाद हरकत में आए अजित पवार

मुंबई/पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने गुरुवार को पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ के पार्टी नेताओं से मुलाकात की। इससे पहले, बुधवार को पुणे में शरद पवार की मौजूदगी में राकांपा के 29 पार्षद राकांपा (शरद चंद्र पवार) पार्टी में शामिल हुए। पाला बदलने वाले प्रमुख लोगों में राकांपा के पूर्व शहर अध्यक्ष अजितगव्हाणे, कार्यकारी अध्यक्ष राहुल भोसले, छात्र शाखा के प्रमुख यश साने, भोसरी विधानसभा सीट प्रमुख पंकज भालेकर जैसे नाम शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले इसे पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन एनडीए को सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत मिला था।

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

पाणी पुरवठा विभाग

ई-निवीदा सुचना क्रमांक 03 सन 2024-25

खालील काम करण्यासाठी सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यांत येत आहे.

अनु. क्र.	कामाचे स्वरूप	अंदाजित खर्च	निविदा फॉर्म फी	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	भिवंडी शहरातील वॉर्ड क्र. 10 मधील कचेरीपाडा परिसरात पाण्याची लाईन बसविणे (महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान महाभियान जिल्हास्तर योजना 2023-24) सन 2024-25 या.	रु.14,89,668/-	रु.2360/-	दि.19/07/2024 ते दि.26/07/2024
२	भिवंडी शहरातील वॉर्ड क्र. 1 मधील संगमपाडा परिसरात पाण्याची लाईन बसविणे (महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान महाभियान जिल्हास्तर योजना 2023-24) सन 2024-25 या.	रु.14,95,141/-	रु.2360/	दि.19/07/2024 ते दि.26/07/2024

सदर निवीदा बाबतची माहिती मनपा संकेतस्थळावर http:// mahatenders. gov.in वर दि. 26/07/2024 पासुन उपलब्ध आहे

सही/-
कार्यकारी अभियंता,
पाणी पुरवठा विभाग
भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

स्वास्थ्य विभाग

के. बी. भाभा अस्पताल, आर. के. पाटकर मार्ग, बांद्रा(प.), मुंबई-400050
न. एचओ/4673/केबीबी तारीख 18/07/2024

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त (एमसीजीएम) इस लाइन में काम करने वाले पात्र ठेकेदारों/विक्रेताओं से बोलियां आमंत्रित करता है। ई-निविदा विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	मापदंड	विवरण	
1	ई-निविदा/बोली संख्या	2024 एमसीजीएम_1054078	
2.	विभाग	परिधीय अस्पताल	
3.	ई-कोटेशन का विषय	के.बी.भाभा अस्पताल, बांद्रा(प.) में तकनीकी विनिर्देशों के अनुसार पैथोलॉजी में उपयोग के लिए टिशू एम्बेडिंग सिस्टम (01 संख्या) की एसआईटीसी.	
4.	संपर्क विवरण	उप चिकित्सा अधीक्षक टेली. 022 26422775 विस्तार. 4506 ईमेल -bhabha.bandra@yahoo.com	
5.	महत्वपूर्ण तारीख	विवरण	दिनांक से/समय
		ऑनलाइन ई-टेंडर डाउनलोड करने की आरंभ तिथि	19.07.2024 को 04.00 बजे
		ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	29.07.2024 को 16.00 बजे तक

ई-कोटेशन एमसीजीएम पोर्टल mcgm.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है या हमें कॉल करें 022 26422775 विस्तार. 4506 पर।

तारीख: 18/07/2024
स्थान: मुंबई
पीआरओ/569/विज्ञा./2024-25

हस्ता./-
उप चिकित्सा अधीक्षक
के.बी.भाभा अस्पताल, बांद्रा(प.)

वृक्ष लगाएं, जीवन बचाएं।

संपादकीय

दहशत की दस्तक

जम्मू में आतंकवाद के खिलाफ आपरेशन पर निकले जवानों को एक बार फिर आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया जाना बताता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लंबी चलेगी। सोमवार को डोडा में हुए आतंकवादी हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों का बलिदान बताता है कि पाक समर्थित आतंकवादियों ने बदले हालात में हमले की रणनीति में बदलाव किया है। कश्मीर के बजाय जम्मू क्षेत्र में दहशत फैलाने की सोची-समझी साजिश रची है। यही वजह है पिछले करीब डेढ़ माह में देश ने जम्मू इलाके में ग्यारह जवानों को खोया है। वहीं दस नागरिक भी आतंकी हिंसा का शिकार बने हैं। बहरहाल, ये हालात उन दावों के विपरीत हैं जिसमें कहा जाता रहा है कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद घाटी में आतंकवाद पर अंकुश लगा है। सुरक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने सुनियोजित तरीके से घाटी के बजाय जम्मू को आतंकवादी घटनाओं के लिये चुना है। दरअसल, अब तक आतंक का केंद्र रही कश्मीर घाटी में सुरक्षा चक्र मजबूत है। वहीं दूसरी ओर एलओसी पर सख्त नियंत्रण के चलते जम्मू से लगते इंटरनेशनल बॉर्डर को घुसपैठ के लिये चुना गया है। आतंकवादियों द्वारा सैनिकों को निशाना बनाने से साफ है कि पाक सेना के लोग आतंकवादियों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। वहीं कश्मीर में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन नये छद्म नामों से हमलों की जिम्मेदारी ले रहे हैं। रक्षा विशेषज्ञ बताते हैं कि जम्मू क्षेत्र में हालिया आतंकी गतिविधियों में वृद्धि की वजह यह भी है कि अपेक्षाकृत शांत माने जाने वाले जम्मू इलाके में पिछले कुछ वर्षों में सैन्य तैनाती को घटाया गया है। दरअसल, पूर्वी लद्दाख के गलवान में चीनी सैनिकों से संघर्ष के बाद बड़ी संख्या में सैनिकों को जम्मू से हटाकर लाइन ऑफ एक्चुएल कंट्रोल पर भेजा गया था। ऐसा चीन की भारी सैन्य तैनाती के बाद किया गया था। वैसे वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति में बदलाव के बाद घाटी में कमोबेश आतंकी घटनाओं में कमी देखी गई। लेकिन आतंकवादियों ने जम्मू में सुरक्षाबलों की कमी का लाभ उठाकर हमले तेज कर दिये। हालिया घटनाएं केंद्र सरकार को मंथन का संदेश देती हैं कि जम्मू-कश्मीर में दशकों से स्थापित व्यवस्था में परिवर्तन के वक्त विपक्ष को साथ लेकर इस स्थिति को बदलने से उत्पन्न दूरगामी परिणामों पर विचार किया जाना चाहिए था, जिससे क्षेत्र के लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने में मदद मिलती। वहीं दूसरी बात यह भी है कि ये हमले तब तेज हुए हैं जब केंद्र में मजबूत सरकार के बजाय एक गठबंधन सरकार आई है। पाक हुक्मरानों को ये मुगालता रहा है कि कमजोर केंद्र सरकार के दौर में वे अपने मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं। वहीं हमले ऐसे वक्त में बढ़े हैं जब केंद्रशासित प्रदेश में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली की सरगर्मियां बढ़ी हैं। जम्मू-कश्मीर में हाल के लोकसभा चुनावों में बंपर मतदान हुआ था। जो पाक हुक्मरानों को रास नहीं आया। बहरहाल, अब केंद्र सरकार द्वारा सुरक्षा बलों को कार्रवाई की खुली छूट देने, जम्मू क्षेत्र में अधिक सुरक्षाबलों की तैनाती तथा विभिन्न सुरक्षा संगठनों में बेहतर तालमेल से देर-सवेर आतंकियों को कुचलने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, भौगोलिक रूप से बेहद जटिल इलाके में किसी आपरेशन को चलाना कठिन होता है क्योंकि आतंकवादी सुरक्षित मांदों से हमले संचालित कर रहे होते हैं। कठुआ में दो सैनिक ट्रकों पर हमला ऐसी ही सुनियोजित साजिश थी, जिसमें हमने पांच जवानों को खोया था। वहीं जम्मू क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की एक बस को भी निशाना बनाया गया था। हालांकि आतंकवादी छिपने के लिये जंगलों व गुफाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद खुफिया तंत्र को भी मजबूत करने की जरूरत है। वहीं विडंबना यह है कि इन आतंकी हमलों के बाद असहज करने वाले राजनीतिक बयान आए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे को राजनीतिक लाभ का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर सत्तापक्ष विपक्ष को एकजुटता का परिचय देना चाहिए, ताकि आतंकवाद से जूझते सैनिकों का मनोबल ऊंचा रहे। इसके साथ ही सतर्क, संगठित और मजबूत अभियान आतंकियों के मंसूबों पर पानी फेर सकता है।

एकीकृत कमान ही तोड़ेगी आतंकवाद की रीढ़

जम्मू संभाग से कैप्टन बृजेश थापा और तीन अन्य बहादुर सैनिकों के शहीद होने की दुखद खबर आई है। उन्होंने डोडा जिले के देसा वन में आतंक-रोधी अभियान में अपने फर्ज को अंजाम देते हुए जीवन की आहुति दी है। यह घटना पिछली वारदात के एक हफ्ते के अंदर घटी है, जिसमें सैनिकों पर घात लगाकर किए गए कातिलाना हमले में पांच सैनिक शहीद हुए थे। कठुआ जिले के बदनोता गांव के पास उनके वाहन को निशाना बनाया गया था। कभी अपेक्षाकृत शांत समझे जाने वाले जिले पुंछ और राजौरी में भी पिछले दो सालों से चिंतित करने वाली आतंकी घटनाओं में उछाल आया है। अब आतंकी गुट रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में हमले करने लगे हैं, जिन्हें पहले कमोबेश आतंक-मुक्त माना जाता था। ऐसा होने पर जम्मू संभाग के एक छोर से दूसरे तक टकराव के बिंदु उभर आए हैं, यह आतंकवादियों द्वारा सोच-समझकर इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली नीति का संकेत है। आधुनिक हथियारों से लैस और अच्छी तरह प्रशिक्षण प्राप्त आतंकवादी जम्मू की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से होकर घुसपैठ करने में सफल रहे हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि घुसपैठ पंजाब वाली सीमा से भी हुई होगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक आरआर सिवान ने भी इस कयास को कबूलते हुए कहा है 'कुछ घुसपैठ हो रही है, यह सबको मालूम है।' जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में दो मुख्य पहलू हैं। प्रथम, पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध आतंकवाद को बतौर राजकीय नीति बरतने से रोकना। इस पर नियंत्रण प्राप्ति के लिए जरूरत है भारत की राष्ट्रीय शक्ति का निरंतर एवं भरोसेमंद प्रदर्शन किया जाना ताकि पाकिस्तान को अहसास हो कि ऐसी नीतियां अंततः उसका अपना नुकसान करेंगी। यह वह दीर्घ-कालीन प्रयास है, जिसमें राजनयिक, आर्थिक और संभावित सैन्य उपाय शामिल हैं। दूसरा पहलू है, भारतीय भूमि से आतंकवाद को सख्ती से उखाड़ फेंकना। हालांकि सामान्य आतंक-रोधी अभियानों में कुछ झटके लगना स्वाभाविक होता है परंतु उनके सतत हमले, जिसमें आतंकवादियों को नुकसान की बनिस्बत सैनिकों और सिविलियनों की जानें ज्यादा जाएं, यह सुरक्षा बलों द्वारा अपनाई रणनीति और उपायों पर गंभीर सवाल है। सैन्य नेतृत्व के लिए यह जरूरी है वे अपने तौर-तरीकों की समीक्षा करें, अपने निजी अनुभवों के आधार पर मेरे कुछ सुझाव हैं। अंतर्राष्ट्रीय सीमा और वास्तविक नियंत्रण सीमा रेखा पर लागू आतंकी घुसपैठ रोधी तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। इसके लिए जहां जरूरी हो, वहां अतिरिक्त बल की तैनाती की जाए। तथापि, यहां पर इंसानी सहनशक्ति की सीमा की पहचान करना बहुत महत्वपूर्ण है। महीनों तक, लगातार काम में लगे रहने से थकान हावी होना स्वाभाविक है। जिससे ध्यान केंद्रित रखने में बाधा और गलतियां करने की संभावना बढ़ जाती है। इसका हल निकालने को तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कोई एक दशक से अधिक समय में सीमा पर 'स्मार्ट बाड़' लगाने की बातें चलती

ले. जनरल डीएस हुड्डा

रही हैं लेकिन इस पर अमल लगातार नहीं हुआ है। अंतहीन पूर्व-परीक्षणों से सटीकतम हल पाने का इंतजार करने की बजाय हमें पहले वह बाड़ चुन लेनी चाहिए जो मौजूदा वाली से अधिक कारगर हो। साथ ही, हमें सुरंगों को पकड़ने वाली तकनीक को सुधारने की जरूरत है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार आतंकियों ने सीमा रेखा के आरपार ऐसी सुरंगें बना रखी हैं।

विशेष सुरक्षा बलों को आतंक-रोधी अभियानों में अधिक जिम्मेवारी दी जाए। यह हमारे वह सबसे बढ़िया प्रशिक्षित सैनिक हैं, जो पहाड़ी और वनीय इलाके में अक्सर छिपने वाले आतंकियों को ढूंढ़कर मार गिराने के लिए छोटी टोली में बंटकर, अभियान चलाने के लिए आदर्श रूप में सटीक बैठते हैं। अतिरिक्त विशेष बलों को तैनात कर और चिह्नित इलाके में अपना काम करने का मुक्तहस्त देकर, हम अपने अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ा सकते हैं। खुफिया सूचनाएं सफल अभियानों की रीढ़ की हड्डी होती हैं। अक्सर इंसान से मिली खुफिया जानकारी सबसे विश्वसनीय होती है। स्थानीय समुदायों को अपने साथ जोड़कर, हम अपने गुप्त सूचना तंत्र को विस्तार दे सकते हैं। बेशक कुछ ऐसे स्थानीय लोग भी होंगे, जो आतंकियों के पक्षधर हैं, लेकिन फिर भी जम्मू की कुल आबादी में अधिसंख्यक घोर राष्ट्रवादी हैं। इसलिए स्थानीय लोगों को शक की निगाह से देखने का परिणाम उलट हो सकता है। इसकी बजाय, हमें स्थानीय लोगों से अधिक संख्या में विशेष पुलिस अधिकारी और ग्राम सुरक्षा प्रहरी भर्ती करने चाहिए। ये लोग हमारे लिए आंख और कान का काम करेंगे, साथ ही आतंकियों के विरुद्ध सुरक्षा की प्रथम पंक्ति भी मुहैया करवाएंगे। अधिक खुफिया सूचना प्रवाह बनने पर, सुरक्षा बल अपना 'खोज एवं खात्मा' अभियान प्रभावी रूप से चला पाएंगे।

फिलहाल उस इलाके में कई सुरक्षा संगठन काम में लगे हैं। सीमा सुरक्षा बल अंतर्राष्ट्रीय सीमा का ख्याल रखती है, केंद्रीय रिर्जव पुलिस बल अंदरूनी क्षेत्र में सड़क सुरक्षा प्रदान करती है तो केंद्र शासित प्रदेश का पुलिस बल स्थानीय कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए। सेना का मोटे तौर पर काम है आतंक-रोधी कार्रवाई चलाना। इन सभी संगठनों की अपनी अलग कमान व्यवस्था और सूचनार्थ पदानुक्रम है।

इन मुख्य उपायों से– घुसपैठ रोधी उपाय को सुदृढ़ करना, नवीनतम तकनीक का समावेश, विशेष सुरक्षा बलों का सशक्तीकरण, खुफिया तंत्र का विस्तार और एकीकृत कमान तंत्र बनाकर– हम अपने आतंकरोधी प्रयासों को विस्तार दे सकते हैं और हमारे सैनिकों और सिविलियनों की जान की रक्षा की संभावना बेहतर बना सकते हैं। उम्मीद करें कि कैप्टन थापा और उनके साथी सैनिकों का बलिदान, उन सुधारों की दिशा में उत्प्रेरक का काम करेगा, जिनकी जरूरत शिद्दत से है। उनकी बहादुरी से इस इलाके की सुरक्षा का भविष्य सुनिश्चित हो सकेगा।

सहज योग

जितने गहरे उतरेंगे उतना गहरा काम होगा

राजकारण इस तरह से करना चाहिए कि खूबी से उस आदमी का हित निकाल ले। होशियारी से उसकी जो अच्छाईयां हैं उसको उठा लें। सीधे हाथ से तो आप लेने वाले नहीं। तो उसपे कुछ चॉकलेट चढ़ा करके आप के मुंह में दे दिया।

मूर्ति तो वहां बैठी वाइब्रेशन्स छोड़ रही हैं। सहजयोग में बम्बई सेंटर में बहुत काम हुआ है। इसमें कोई शक नहीं। लोगों ने अपने को बहुत ऊंचा उठा दिया है। वैसे भी महाराष्ट्र में बहुत काम हुआ है। एक छोटे से गांव में राहुरी में, बहुत काम हुआ है। जितना आप गहरा उतरेंगे उतना गहरा काम होगा। अपने को बहुत ज्यादा लोग नहीं चाहिए। थोड़े ही लोगों से काम बन जाएगा। लेकिन जो भी हो वो पक्के हो। राजकारण हो तो कृष्ण के जैसा। जिस राजकारण के कारण संसार का हित है, वही राजकारण एक सहजयोगी को करना चाहिए। यानि कैसे? मैं करती हूं। आप लोगों को पता नहीं राजकारण। राजकारण इस तरह से करना चाहिए कि खूबी से उस आदमी का हित निकाल ले। होशियारी से उसकी जो अच्छाईयां हैं उसको उठा लें। सीधे हाथ से तो आप लेने वाले नहीं। तो उसपे कुछ चॉकलेट चढ़ाकर के आप के मुंह में दे दिया। मुझसे बढ़ के कोई राजकारणी नहीं है। बच के रहो। बड़ी राजकारणी हूं मैं। अगर कोई ज्यादा निगेटिव होता जाता है तो उसको भिड़ा देती हूं, दूसरे निगेटिव आदमी के साथ में। लड़ते रहो वा मरते रहो। लेकिन मेरा जो राजकारण है वो तुम्हारे हित के लिए है। क्योंकि सीधे रस्ते आने ही नहीं वाले। तो राजकारण खेलना पड़ता है। फिर अंत में आते है। लेकिन विज्ड़म किस चीज़ में है? कि हम अपना अच्छा देखें। हम अपने अच्छे का सोचे। हम अपना हित सोचे। ये हित की गंगा बह रही है। दूसरी निगेटिविटी आदमी में किस तरह से आती है। अपने तरफ नज़र रखें। पहले ये कि निगेटिविटी में हम किस से ज्यादा दोस्ती करते हैं? हम किस से ज्यादा मिलते हैं? मिलना बंद करिए। फौरन बंद करिए। कोई अगर पचास साल से उतरते हैं, तो वो ग्रुप बना लेंगे। ग्रुप बनाने के लिए इंसान को कुछ लगता ही नहीं है। तो भगवान ने आपको ग्रुप में पैदा किया है? अभी तो इंटरनैशनल लेवल पर उतरने की बात है। उसके बाद यूनिवर्सल लेवल पर उतरने की बात है। अभी तो गिरगांव, दादर ही हो रहा है इधर। तो एक बड़ा भारी हम लोगों का जो दुश्मन है वो है राजकारण। जो हमारे अंदर बैठा हुआ है। एक दुश्मन है हमारा बहुत बड़ा। काम-क्रोध-मद-मत्सर वो तो बहुत साफ़ है। लेकिन ये चोरी छुपे बैठे हैं अपने अंदर में एक बड़े दुष्ट जीव है जिनका नाम है राजकारणी स्वभाव। तो अपने से कहना चाहिए, 'ओ, मिस्टर राजकारणी, जरा चुप रहिए आप। हमको मत पट्टी पढ़ाईए। बड़ा चोर बैठा हुआ है अन्दर में। उसका ख्याल रखो। दूसरी निगेटिविटी कैसे आती है? कि हम मिस आयडेंटिफाइड हैं किसी चीज़.से। माने कि ये, हम कहें, यहां तक की हम हिन्दुस्तानी हैं। आप कोई हिन्दुस्तानी वगैरा नहीं। आप इंसान हैं।

ये बात बिल्कुल सत्य है। अब उसकी ओर बारीक-बारीक में आइए। होते-होते, अब मैं किस का नाम लूं, कि हम उस गणपति के पास में रहने वाले हैं, या उसकी जो मिट्टी है वो हमारे फलाने गांव से आती है, तो हम सब एक हैं। इस कदर के मिस आयडेंटिफिकेशन महामूर्खता के, मनुष्य के दिमाग में हमेशा रहते हैं।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत — मंगल पांडे

प्रभावशाली क्रांतिकारी नायकों में से एक

सबसे साहसी भारतीय क्रांतिकारियों में से एक मंगल पांडे थे, जिन्होंने देश को अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। उन्होंने 1857 के सिपाही विद्रोह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जाता है। भारत को आज़ाद कराने में उनके योगदान को भारतीयों द्वारा याद किया जाता है और स्वीकार किया जाता है।

मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के ऊपरी बलिया जिले के एक गांव नगवा में हुआ था। वह एक ब्राह्मण परिवार से थे। उनके पिता दिवाकर पांडे थे जो एक किसान थे और उनकी मां अभय रानी थीं। उनकी एक बहन थी जिसकी 1830 के अकाल में मृत्यु हो गई। वह 1849 में ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के सदस्य बन गए। वह 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री की 6वीं कंपनी में एक सैनिक थे और मुख्य रूप से एक हमले में भाग लेने के लिए जाने जाते थे। रेजिमेंट के कई अधिकारियों पर। उनके प्रयासों से 1857 में ईस्ट इंडिया कंपनी के हाथों से महारानी विक्टोरिया को सत्ता हस्तांतरित हुई और इससे भारत के लोगों को विश्वास हुआ कि वे अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हैं। पांडे को आधुनिक इतिहास के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारी नायकों में से एक माना जाता है जिन्होंने वास्तव में व्यवस्था में बदलाव लाया। वर्ष 1984 में, भारत सरकार ने राष्ट्र के लिए उनके बलिदान को चिह्नित करने के लिए एक डाक टिकट जारी किया। कुछ फिल्में और स्टेज नाटक भी उनके जीवन पर आधारित हैं, जिनमें प्रसिद्ध हिंदी फिल्म 'मंगल पांडे' और 2005 में 'द रोटी रिबेलियन' नाम का स्टेज प्ले शामिल है। इसके अलावा, शहीद मंगल पांडे महा उद्यान नाम से एक पार्क भी स्थापित किया गया था। बैरकपुर में उस स्थान की स्मृति में जहां पांडे ने ब्रिटिश अधिकारियों पर हमला किया था और बाद में उन्हें फांसी दे दी गई थी।

जीवन ऊर्जा

एडगर डेगास : जन्म- 19 जुलाई, 1834 — जन्म

एडगर डेगास का जन्म 19 जुलाई, 1834 को हुआ था। एडगर डेगास एक फ्रांसीसी कलाकार थे जो अपनी पेंटिंग, मूर्तियों और रेखाचित्रों के लिए प्रसिद्ध थे। उन्हें नर्तकियों और रोज़मर्रा के दृश्यों के चित्रण के लिए जाना जाता है, जो अपनी गहरी नज़र से गति और प्रकाश को कैप्चर करते हैं। डेगास प्रभाववाद में एक अग्रणी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपनी अनूठी शैली और नवाचार से कला जगत को प्रभावित किया। उनका निधन 27 सितंबर, 1917 को हुआ था।

कला एक झूठ है जो हमें सत्य का एहसास कराती है

कला वह नहीं है जो आप देखते हैं, बल्कि वह है जो आप दूसरों को दिखाते हैं। जब आप नहीं जानते कि कैसे करना है, तो पेंटिंग करना आसान है, लेकिन जब आप जानते हैं, तो बहुत मुश्किल है। चित्र बनाना वह नहीं है जो कोई देखता है, बल्कि वह है जो कोई दूसरों को दिखा सकता है। जब उसे पता नहीं होता कि वह क्या कर रहा है, तभी चित्रकार अच्छे काम करता है। जो आप देखते हैं, उसकी नकल करना बहुत अच्छा है, लेकिन जो आप अपनी याददाश्त में देखते हैं, उसे चित्रित करना कहीं बेहतर है। संगीतज्ञ दिन भर काम करते हैं और फिर रात में एक साथ मिलकर नृत्य करते हैं। एक पेंटिंग के लिए थोड़ा रहस्य, थोड़ी अस्पष्टता और थोड़ी कल्पना की आवश्यकता होती है। जब आप हमेशा अपना अर्थ पूरी तरह से स्पष्ट करते हैं, तो आप लोगों को बोर कर देते हैं। पेंटिंग उन लोगों के लिए आसान है जो नहीं जानते कि कैसे करना है, लेकिन जो जानते हैं, उनके लिए बहुत मुश्किल है। पेंटिंग में आपको झूठ के माध्यम से सत्य का विचार देना चाहिए। कला वह नहीं है जो आप देखते हैं, बल्कि वह है जो आप दूसरों को दिखाते हैं। कोई भी कला मेरी कला से कम सहज नहीं है। मैं जो कुछ भी करता हूं वह चिंतन और महान गुरुओं के अध्ययन का परिणाम है। विशेषज्ञों की बातचीत कितनी आनंददायक होती है! कोई कुछ भी नहीं समझता और यह आकर्षक होती है। किसी को एक ही विषय को दस बार, सौ बार दोहराना चाहिए। कला में कुछ भी दुर्घटना जैसा नहीं होना चाहिए, यहां तक कि गति भी नहीं। कला एक झूठ है जो हमें सत्य का एहसास कराती है। जीवन में कई अप्रिय चीजें हैं लेकिन आपका कर्तव्य है कि आप अपने पास मौजूद चीजों का अधिकतम लाभ उठाएं। जब आप नहीं जानते कि कैसे पेंटिंग करनी है तो यह आसान है, लेकिन जब आप जानते हैं तो यह बहुत कठिन है। कला वह नहीं है जो आप देखते हैं, बल्कि वह है जो आप दूसरों को दिखाते हैं।

प्रेरक प्रसंग

लक्ष्य

एक लड़के ने एक बार बहुत ही धनवान व्यक्ति को देखकर धनवान बनने का निश्चय किया। वह धन कमाने के लिए कई दिनों तक मेहनत कर धन कमाने के पीछे पड़ा रहा और उसने बहुत सारा पैसा कमा लिया। इसी बीच उसकी मुलाकात एक विद्वान से हो गई। विद्वान के ऐश्वर्य को देखकर वह आश्चर्यचकित हो गया और अब उसने विद्वान बंनने का निश्चय कर लिया और अगले ही दिन से धन कमाने को छोड़कर पढ़ने-लिखने में लग गया। वह अभी अक्षर ज्ञान ही सीख पाया था, की इसी बीच उसकी मुलाकात एक संगीतज्ञ से हो गई। उसको संगीत में अधिक आकर्षण दिखाई दिया, इसीलिए उसी दिन से उसने पढ़ाई बंद कर दी और संगीत सिखने में लग गया। इसी तरह काफी उम्र बीत गई, न वह धनी हो सका ना विद्वान और ना ही एक अच्छा संगीतज्ञ बन पाया। तब उसे बड़ा दुख हुआ। एक दिन उसकी मुलाकात एक बहुत बड़े महात्मा से हुई। उसने महात्मन को अपने दुःख का कारण बताया। महात्मा ने उसकी परेशानी सुनी और मुस्कुराकर बोले, बेटा, दुनिया बड़ी ही चिकनी है, जहां भी जाओगे कोई ना कोई आकर्षण ज़रूर दिखाई देगा। एक निश्चय कर लो और फिर जीते जी उसी पर अमल करते रहो तो तुम्हें सफलता की प्राप्ति अवश्य हो जाएगी, नहीं तो दुनियां के झमेलों में यूं ही चक्कर खाते रहोगे। बार-बार रूचि बदलते रहने से कोई भी उन्नत्ति नहीं कर पाओगे। युवक महात्मां की बात को समझ गया और एक लक्ष्य निश्चित कर उसी का अभ्यास करने लगा।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

सच्चाई और शुभ कर्मों के आगे विवश हुआ काल

(भाग 2)

मेरा पहला पत्र आपके सिर पर चढ़कर बोला, आपके काले सुन्दर बालों को पकड़ कर उन्हें सफ़ेद कर दिया और यह भी कहा कि सावधान हो जाओ, जो करना है कर डालो। नाम, बड़ाई और धन-संग्रह के झंझटो को छोड़कर भजन में लग जाओ पर मेरे पत्र का आपके ऊपर जरा भी असर नहीं हुआ।

बनावटी रंग लगा कर आपने अपने बालों को फिर से काला कर लिया और पुनः जवान बनने के सपनों में खो गए. आज तक मेरे श्वेत अक्षर आपके सिर पर लिखे हुए हैं। कुछ दिन बाद मैंने दूसरा पत्र आपके नेत्रों के प्रति भेजा. नेत्रों की ज्योति मंद होने लगी। फिर भी आंखों पर मोटे शीशे चढ़ा कर आप जगत को देखने का प्रयत्न करने लगे. दो मिनिट भी संसार की ओर से आंखे बंद करके, ज्योतिस्वरूप प्रभु का ध्यान मन में नहीं किया। इतने पर भी सावधान नहीं हुए तो मुझे आपकी दीनदशा पर बहुत तरस आया और मित्रता के नाते मैंने तीसरा पत्र भी भेजा। इस पत्र ने आपके दांतो को छुआ, हिलाया और तोड़ दिया। आपने इस पत्र का भी जवाब न दिया बल्कि नकली दांत लगवाये और जबरदस्ती संसार के भौतिक पदार्थों का स्वाद लेने लगे।

मुझे बहुत दुःख हुआ कि मैं सदा इसके भले की सोचता हूँ और यह हर बात एक नया, बनावटी रास्ता अपनाने को तैयार रहता है। अपने अन्तिम पत्र के रूप में मैंने रोग- क्लेश तथा पीड़ाओ को भेजा परन्तु आपने अहंकार वश सब अनसुना कर दिया। जब मनुष्य ने काल के भेजे हुए पत्रों को समझा तो फूट-फूट कर रोने लगा और अपने विपरीत कर्मो पर पश्चाताप करने लगा. उसने स्वीकार किया कि मैंने गफलत में शुभ चेतावनी भरे इन पत्रों को नहीं पढ़ा। मैं सदा यही सोचता रहा कि कल से भगवान का भजन करूंगा. अपनी कमाई अच्छे शुभ कार्यो में लगाऊंगा, पर वह कल नहीं आया। काल ने कहा – आज तक तुमने जो कुछ भी किया, राग-रंग, स्वार्थ और भोगों के लिए किया. जान-बूझकर ईश्वरीय नियमों को तोड़कर जो काम करता है, वह अक्षम्य है। मनुष्य को जब अपनी बातों से काम बनता नज़र नहीं आया तो उसने काल को करोड़ों की सम्पत्ति का लोभ दिखाया। काल ने हंसकर कहा- मित्र यह मेरे लिए धूल से अधिक कुछ भी नहीं है. धन-दौलत, शोहरत, सत्ता, ये सब लोभ संसारी लोगो को वश में कर सकता है, मुझे नहीं। मनुष्य ने पूछा- क्या कोई ऐसी वस्तु नहीं जो तुम्हें भी प्रिय हो, जिससे तुम्हें लुभाया जा सके. ऐसा कैसे हो सकता है! काल ने उत्तर दिया- यदि तुम मुझे लुभाना ही चाहते थे तो सच्चाई और शुभ कर्मो का धन संग्रह करते. यह ऐसा धन है जिसके आगे मैं विवश हो सकता था. अपने निर्णय पर पुनर्विचार को बाध्य हो सकता था. पर तुम्हारे पास तो यह धन धेले भर का भी नहीं है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सुविचार

जिस समय जिस काम के लिए प्रतिज्ञा करो, ठीक उसी समय पर उसे करना ही चाहिए, नहीं तो लोगों का विश्वास उठ जाता है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

कविता

मैं प्रिय पहचानी नहीं

महादेवी वर्मा

पथ देख बिता दी रैन
मैं प्रिय पहचानी नहीं !

तम ने धोया नभ-पंथ
सुवासित हिमजल से;
सूने आँगन में दीप
जला दिये झिल-मिल से;
आ प्रात बुझा गया कौन
अपरिचित, जानी नहीं !
मैं प्रिय पहचानी नहीं !

धर कनक-थाल में मेघ
सुनहला पाटल सा,
कर बालारूण का कलश
विहग-रव मंगल सा,
आया प्रिय-पथ से प्रात-
सुनायी कहानी नहीं !
मैं प्रिय पहचानी नहीं !

नव इन्द्रधनुष सा चीर
महावर अंजन ले,
अलि-गुंजित मीलित पंकज-
-नूपुर रूनझुन ले,
फिर आयी मनाने साँझ
मैं बेसुध मानी नहीं !
मैं प्रिय पहचानी नहीं !

इन श्वासों का इतिहास
आँकते युग बीते;
रोमों में भर भर पुलक
लौटते पल रीते;
यह ढुलक रही है याद
नयन से पानी नहीं !
मैं प्रिय पहचानी नहीं !

अलि कुहरा सा नभ विश्व
मिटे बुद्‌बुद्-जल सा;
यह दुख का राज्य अनन्त
रहेगा निश्चल सा;
हूँ प्रिय की अमर सुहागिनि
पथ की निशानी नहीं !
मैं प्रिय पहचानी नहीं !

कहानी

सयानी बुआ

मन्नू भंडारी

सब पर मानो बुआजी का व्यक्तित्व हावी है। सारा काम वहाँ इतनी व्यवस्था से होता जैसे सब मशीनें हों, जो कायदे में बँधीं, बिना रुकावट अपना काम किए चली जा रही हैं। ठीक पाँच बजे सब लोग उठ जाते, फिर एक घंटा बाहर मैदान में टहलना होता, उसके बाद चाय-दूध होता।उसके बाद अन्नू को पढने के लिए बैठना होता। भाई साहब भी तब अखबार और ऑफिस की फाइलें आदि देखा करते। नौ बजते ही नहाना शुरू होता। जो कपडे बुआजी निकाल दें, वही पहनने होते। फिर कायदे से आकर मेज पर बैठ जाओ और खाकर काम पर जाओ।

सयानी बुआ का नाम वास्तव में ही सयानी था या उनके सयानेपन को देखकर लोग उन्हें सयानी कहने लगे थे, सो तो मैं आज भी नहीं जानती, पर इतना अवश्य कँगी कि जिसने भी उनका यह नाम रखा, वह नामकरण विद्या का अवश्य पारखी रहा होगा।

बचपन में ही वे समय की जितनी पाबंद थीं, अपना सामान संभालकर रखने में जितनी पटु थीं, और व्यवस्था की जितना कायल थीं, उसे देखकर चकित हो जाना पडता था। कहते हैं, जो पेंसिल वे एक बार खरीदती थीं, वह जब तक इतनी छोटी न हो जाती कि उनकी पकड में भी न आए तब तक उससे काम लेती थीं। क्या मजाल कि वह कभी खो जाए या बार-बार नोंक टूटकर समय से पहले ही समाप्त हो जाए। जो रबर उन्होंने चौथी कक्षा में खरीदी थी, उसे नौवीं कक्षा में आकर समाप्त किया।

उम्र के साथ-साथ उनकी आवश्यकता से अधिक चतुराई भी प्रौढता धारण करती गई और फिर बुआजी के जीवन में इतनी अधिक घुल-मिल गई कि उसे अलग करके बुआजी की कल्पना ही नहीं की जा सकती थी। उनकी एक-एक बात पिताजी हम लोगों के सामने उदाहरण के रूप में रखते थे जिसे सुनकर हम सभी खैर मनाया करते थे कि भगवान करे, वे ससुराल में ही रहा करें, वर्ना हम जैसे अस्त-व्यस्त और अव्यवस्थित-जनों का तो जीना ही हराम हो जाएगा।

ऐसी ही सयानी बुआ के पास जाकर पढने का प्रस्ताव जब मेरे सामने रखा गया तो कल्पना कीजिए, मुझ पर क्या बीती होगी? मैंने साफ इंकार कर दिया कि मुझे आगे पढना ही नहीं। पर पिताजी मेरी पढाई के विषय में इतने सतर्क थे कि उन्होंने समझाकर, डाँटकर और प्यार-दुलार से मुझे राजी कर लिया। सच में, राजी तो क्या कर लिया, समझिए अपनी इच्छा पूरी करने के लिए बाध्य कर दिया। और भगवान का नाम गुहारते-गुहारते मैंने घर से विदा ली और उनके यहाँ पहुँची।

इसमें संदेह नहीं कि बुआजी ने बडा स्वागत किया। पर बचपन से उनकी ख्याति सुनते-सुनते उनका जो रौद्र रूप मन पर छाया हुआ था, उसमें उनका वह प्यार कहाँ तिरोहित हो गया, मैं जान ही न पाई। हाँ, बुआजी के पति, जिन्हें हम भाई साहब कहते थे, बहुत ही अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे। और सबसे अच्छा कोई घर में लगा तो उनकी पाँच वर्ष की पुत्री अन्नू।

घर के इस नीरस और यंत्रचालित कार्यक्रम में अपने को फिट करने में मुझे कितना कष्ट उठाना पडा और कितना अपने को काटना-छाँटना पडा, यह मेरा अंतर्यामी ही जानता है। सबसे अधिक तरस आता था अन्नू पर। वह इस नन्ही-सी उमर में ही प्रौढ हो गई थी। न बच्चों का-सा उल्लास, न कोई चहचहाहट। एक अज्ञात भय से वह घिरी रहती थी। घर के उस वातावरण में कुछ ही दिनों में मेरी भी सारी हँसी-खुशी मारी गई।

यों बुआजी की गृहस्थी जमे पंद्रह वर्ष बीच चुके थे, पर उनके घर का सारा सामान देखकर लगता था, मानों सब कुछ अभी कल ही खरीदा हो। गृहस्थी जमाते समय जो काँच और चीनी के बर्तन उन्होंने खरीदे थे, आज भी ज्यों-के-त्यों थे, जबकि रोज उनका उपयोग होता था। वेसारे बर्तन स्वयं खडी होकर साफ करवाती थीं। क्या मजाल, कोई एक चीज भी तोड दे। एक बार नौकर ने सुराही तोड दी थी। उस छोटे-से छोकरे को उन्होंने इस कसूर पर बहुत पीटा था। तोड-फोड से तो उन्हें सख्त नफरत थी, यह बात उनकी बर्दाश्त के बाहर थी। उन्हेंबडा गर्व था अपनी इस सुव्यवस्था का। वे अक्सर भाई साहब से कहा करती थीं कि यदि वे इस घर में न आतीं तो न जाने बेचारे भाई साहब का क्या हाल होता। मैं मन-ही-मन कहा करती थी कि और चाहे जो भी हाल होता, हम सब मिट्टी के पुतले न होकर कम-से-कम इंसान तो अवश्य हुए होते।

बुआजी की अत्यधिक सतर्कता और खाने-पीने के इतने कंट्रोल के बावजूद अन्नू को बुखार आने लगा, सब प्रकार के उपचार करने-कराने में पूरा महीना बीत गया, पर उसका बुखार न उतरा। बुआजी की परेशानी का पार नहीं, अन्नू एकदम पीली पड गई। उसे देखकर मुझे लगता मानो उसके शरीर में ज्वर के कीटाणु नहीं, बुआजी के भय के कीटाणु दौड रहे हैं, जो उसे ग्रसते जा रहे हैं। वह उनसे पीडित होकर भी भय के मारे कुछ कह तो सकती नहीं थी, बस सूखती जा रही है।

आखिर डॉक्टरों ने कई प्रकार की परीक्षाओं के बाद राय दी कि बच्ची को पहाड पर ले जाया जाए, और जितना अधिक उसे प्रसन्न रखा जा सके, रखा जाए। सब कुछ उसके मन के अनुसार हो, यही उसका सही इलाज है। पर सच पूछो तो बेचारी का मन बचा ही कहाँ था? भाई साहब के सामने एक विकट समस्या थी। बुआजी के रहते यह संभव नहीं था, क्योंकि अनजाने ही उनकी इच्छा के सामने किसी और की इच्छा चल ही नहीं सकती थी। भाई साहब ने शायद सारी बात डॉक्टर के सामने रख दी, तभी डॉक्टर ने कहा कि माँ का साथ रहना ठीक नहीं होगा। बुआजी ने सुना तो बहुत आनाकानी की, पर डॉक्टर की राय के विरुध्द जाने का साहस वे कर नहीं सकीं सो मन मारकर वहीं रहीं।

जोर-शोर से अन्नू के पहाड जाने की तैयारी शुरू हुई। पहले दोनों के कपडों की लिस्ट बनी, फिर जूतों की, मोजों की, गरम कपडों की, ओढने-बिछाने के सामान की, बर्तनों की। हर चीज रखते समय वे भाई साहब को सख्त हिदायत कर देती थीं कि एक भी चीज खोनी नहीं चाहिए- 'देखो, यह फ्रॉक मत खो देना, सात रुपए मैंने इसकी सिलाई दी है। यह प्याले मत तोड देना, वरना पचास रुपए का सेट बिगड जाएगा। और हाँ, गिलास को तुम तुच्छ समझते हो, उसकी परवाह ही नहीं करोगे, पर देखो, यह पंद्रह बरस से मेरे पास है और कहीं खरोंच तक नहीं है, तोड दिया तो ठीक न होगा।

प्रत्येक वस्तु की हिदायत के बाद वे अन्नू पर आईं। वह किस दिन, किस समय क्या खाएगी, उसका मीनू बना दिया। कब कितना घूमेगी, क्या पहनेगी, सब कुछ निश्चित कर दिया। मैं सोच रही थी कि यहाँ बैठे-बैठे ही बुआजी ने इन्हें ऐसा बाँध दिया कि बेचारे अपनी इच्छा के अनुसार क्या खाक करेंगे! सब कह चुकीं तो जरा आर्द्र स्वर में बोलीं, 'कुछ अपना भी खयाल रखना, दूध-फल बराबर खाते रहना। हिदायतों की इतनी लंबी सूची के बाद भी उन्हें यही कहना पडा, 'जाने तुम लोग मेरे बिना कैसे रहोगे, मेरा तो मन ही नहीं मानता। हाँ, बिना भूले रोज एक चिट्ठी डाल देना।

आखिर वह क्षण भी आ पहुँचा, जब भाई साहब एक नौकर और अन्नू को लेकर चले गए। बुआजी ने अन्नू को खूब प्यार किया, रोई भी। उनका रोना मेरे लिए नई बात थी। उसी दिन पहली बार लगा कि उनकी भयंकर कठोरता में कहीं कोमलता भी छिपी है। जब तक ताँगा दिखाई देता रहा, वे उसे देखती रहीं, उसके बाद कुछ क्षण निर्जीव-सी होकर पडी रहीं। पर दूसरे ही दिन से घर फिर वैसे ही चलने लगा।

भाई साहब का पत्र रोज आता था, जिसमें अन्नू की तबीयत के समाचार रहते थे। बुआजी भी रोज एक पत्र लिखती थीं, जिसमें अपनी उन मौखिक हिदायतों को लिखित रूप से दोहरा दिया करती थीं। पत्रों की तारीख में अंतर रहता था। बात शायद सबमें वही रहती थी। मेरे तो मन में आता कि कह दूँ, बुआजी रोज पत्र लिखने का कष्ट क्यों करती हैं? भाई साहब को लिख दीजिए कि एक पत्र गत्ते पर चिपकाकर पलंग के सामने लटका लें और रोज सबेरे उठकर पढ लिया करें। पर इतना साहस था नहीं कि यह बात कह सकूँ।

करीब एक महीने के बाद एक दिन भाई साहब का पत्र नहीं आया। दूसरे दिन भी नहीं आया। बुआजी बडी चिंतित हो उठीं। उस दिन उनका मन किसी भी काम में नहीं लगा। घर की कसी-कसाई व्यवस्था कुछ शिथिल-सी मालूम होने लगी। तीसरा दिन भी निकल गया।

अब तो बुआजी की चिंता का पार नहीं रहा। रात को वे मेरे कमरे में आकर सोईं, पर सारी रात दुःस्वप्न देखती रहीं और रोती रहीं। मानो उनका वर्षों से जमा हुआ नारीत्व पिघल पडा था और अपने पूरे वेग के साथ बह रहा था। वे बार-बार कहतीं कि उन्होंने स्वप्न में देखाहै कि भाई साहब अकेले चले आ रहे हैं, अन्नू साथ नहीं है और उनकी आँखें भी लाल हैं और वे फूट-फूटकर रो पडतीं। मैं तरह-तरह से उन्हें आश्वासन देती, पर बस वे तो कुछ सुन नहीं रही थीं। मेरा मन भी कुछ अन्नू के ख्याल से, कुछ बुआजी की यह दशा देखकर बडा दुःखी हो रहा था।

तभी नौकर ने भाई साहब का पत्र लाकर दिया। बडी व्यग्रता से काँपते हाथों से उन्होंने उसे खोला और पढने लगीं। मैं भी साँस रोककर बुआजी के मुँह की ओर देख रही थी कि एकाएक पत्र फेंककर सिर पीटती बुआजी चीखकर रो पडीं। मैं धक् रह गई। आगे कुछ सोचने का साहस ही नहीं होता था। आँखों के आगे अन्नू की भोली-सी, नन्ही-सी तस्वीर घूम गई। तो क्या अब अन्नू सचमुच ही संसार में नहीं है? यह सब कैसे हो गया? मैंने साहस करके भाई साहब का पत्र उठाया। लिखा था-

प्रिय सयानी,
समझ में नहीं आता, किस प्रकार तुम्हें यह पत्र लिखूँ। किस मुँह से तुम्हें यह दु:खद समाचार सुनाऊँ। फिर भी रानी, तुम इस चोट को धैर्यपूर्वक सह लेना। जीवन में दु:ख की घडियाँ भी आती हैं, और उन्हें साहसपूर्वक सहने में ही जीवन की महानता है। यह संसार नश्वर है। जो बना है वह एक-न-एक दिन मिटेगा ही, शायद इस तथ्य को सामने रखकर हमारे यहाँ कहा है कि संसार की माया से मोह रखना दु:ख का मूल है। तुम्हारी इतनी हिदायतों के और अपनी सारी सतर्कता के बावजूद मैं उसे नहीं बचा सका, इसे अपने दुर्भाग्य के अतिरिक्त और क्या कँ।यह सब कुछ मेरे ही हाथों होना था ...आँसू-भारी आँखों के कारण शब्दों का रूप अस्पष्ट से अस्पष्टतर होता जा रहा था और मेरे हाथ काँप रहे थे। अपने जीवन में यह पहला अवसर था, जब मैं इस प्रकार किसी की मृत्यु का समाचार पढ रही थी। मेरी आँखें शब्दों को पार करती हुई जल्दी-जल्दी पत्र के अंतिम हिस्से पर जा पडी- 'धैर्य रखना मेरी रानी, जो कुछ हुआ उसे सहने की और भूलने की कोशिश करना। कल चार बजे तुम्हारे पचास रुपए वाले सेट के दोनों प्याले मेरे हाथ से गिरकर टूट गए। अन्नू अच्छी है। शीघ्र ही हम लोग रवाना होने वाले हैं। एक मिनट तक मैं हतबुध्दि-सी खडी रही, समझ ही नहीं पाई यह क्या-से-क्या हो गया। यह दूसरा सदमा था। ज्यों ही कुछ समझी, मैं जोर से हँस पडी। किस प्रकार मैंने बुआजी को सत्य से अवगत कराया, वह सब मैं कोशिश करके भी नहीं लिख सकूँगी। पर वास्तविकता जानकारी बुआजी भी रोते-रोते हँस पडीं। पाँच आने की सुराही तोड देने पर नौकर को बुरी तरह पीटने वाली बुआजी पचास रुपए वाले सेट के प्याले टूट जाने पर भी हँस रही थीं, दिल खोलकर हँस रही थीं, मानो उन्हें स्वर्ग की निधि मिल गई हो।

ग़ज़ल

साहिर लुधियानवी

ये ज़ुल्फ़ अगर खुल के बिखर जाए तो अच्छा
इस रात की तक़दीर सँवर जाए तो अच्छा

जिस तरह से थोड़ी सी तिरे साथ कटी है
बाक़ी भी उसी तरह गुज़र जाए तो अच्छा

दुनिया की निगाहों में भला क्या है बुरा क्या
ये बोझ अगर दिल से उतर जाए तो अच्छा

वैसे तो तुम्हीं ने मुझे बरबाद किया है
इल्ज़ाम किसी और के सर जाए तो अच्छा

साझा

असग़र वजाहत

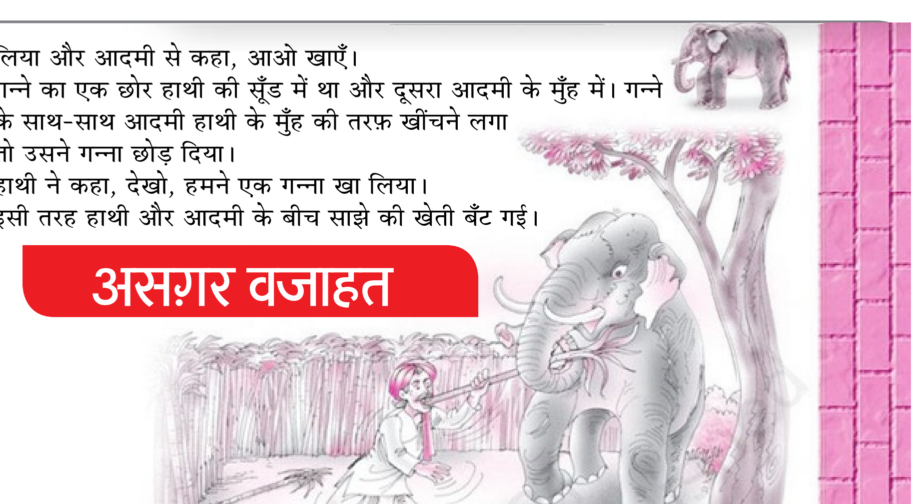

हालाँकि उसे खेती की हर बारीकी के बारे में मालूम था, लेकिन फिर भी डरा दिए जाने के कारण वह अकेला खेती करने का साहस न जुटा पाता था। इससे पहले वह शेर, चीते और मगरमच्छ के साथ साझे की खेती कर चुका था, अब उससे हाथी ने कहा कि अब वह उसके साथ साझे की खेती करे। किसान ने उसको बताया कि साझे में उसका कभी गुज़ारा नहीं होता और अकेले वह खेती कर नहीं सकता। इसलिए वह खेती करेगा ही नहीं। हाथी ने उसे बहुत देर तक पट्टी पढ़ाई और यह भी कहा कि उसके साथ साझे की खेती करने से यह लाभ होगा कि जंगल के छोटे-मोटे जानवर खेतों को नुक़सान नहीं पहुँचा सकेंगे और खेती की अच्छी रखवाली हो जाएगी।

किसान किसी-न-किसी तरह तैयार हो गया और उसने हाथी से मिलकर गन्ना बोया।

हाथी पूरे जंगल में घूमकर डुग्गी पीट आया कि गन्ने में उसका साझा है इसलिए कोई जानवर खेत को नुक़सान न पहुँचाए, नहीं तो अच्छा न होगा।

किसान फ़सल की सेवा करता रहा और समय पर जब गन्ने तैयार हो गए तो वह हाथी को खेत पर बुला लाया। किसान चाहता था कि फ़सल आधी-आधी बाँट ली जाए। जब उसने हाथी से यह बात कही तो हाथी काफ़ी बिगड़ा।

हाथी ने कहा, "अपने और पराए की बात मत करो। यह छोटी बात है। हम दोनों ने मिलकर मेहनत की थी हम दोनों उसके स्वामी हैं। आओ, हम मिलकर गन्ने खाएँ।

किसान के कुछ कहने से पहले ही हाथी ने बढ़कर अपनी सूँड से एक गन्ना तोड़ लिया और आदमी से कहा, आओ खाएँ।

गन्ने का एक छोर हाथी की सूँड में था और दूसरा आदमी के मुँह में। गन्ने के साथ-साथ आदमी हाथी के मुँह की तरफ़ खींचने लगा तो उसने गन्ना छोड़ दिया।

हाथी ने कहा, देखो, हमने एक गन्ना खा लिया।

इसी तरह हाथी और आदमी के बीच साझे की खेती बँट गई।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

वृष: घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

मिथुन: धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

कर्क: किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

सिंह: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

कन्या: शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला: शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

धनु: आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर: स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी।

कुंभ: शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा।

मीन: आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

कौन से ग्रह आपके जीवन को प्रभावित करते हैं

मंगल : मंगल सेना पति होता है,भाई का भी द्योतक और रक्त का भी करक माना गया है। इसकी मेष और वृश्चिक राशि है। कुंडली में मंगल के अशुभ होने पर भाई, पटीदारों से विवाद, रक्त सम्बन्धी समस्या, नेत्र रोग, उच्च रक्तचाप, क्रोधित होना, उत्तेजित होना, वात रोग और गठिया हो जाता है। रक्त की कमी या खराबी वाला रोग हो जाता। व्यक्ति क्रोधी स्वभाव का हो जाता है। मान्यता यह भी है कि बच्चे जन्म होकर मर जाते हैं।

ये करें

उपायः तांबा, गेहूं एवं गुड,लाल कपड़ा,माचिस का दान करें। तंदूर की मीठी रोटी दान करें। बहते पानी में रेवड़ी व बताशा बहाएं, मसूर की दाल दान में दें।

हनुमान जी की आराधना करना, हनुमान जी को चोला अर्पित करना, हनुमान मंदिर में ध्वजा दान करना, बंदरों को चने खिलाना, हनुमान चालीसा,बजरंग बाण, हनुमानाष्टक, सुंदरकांड का पाठ और
।।ॐ अं अंगारकाय नमः।।
का 108 बार नित्य जाप करना श्रेयस्कर होता है।

बुधः बुध व्यापार व स्वास्थ्य का करक माना गया है। यह मिथुन और कन्या राशि का स्वामी है।

बुध वाक् कला का भी द्योतक है। विद्या और बुद्धि का सूचक है। कुंडली में बुध की अशुभता पर दांत कमजोर हो जाते हैं। सूंघने की शक्ति कम हो जाती है। गुप्त रोग हो सकता है। व्यक्ति वाक् क्षमता भी जाती रहती है। नौकरी और व्यवसाय में धोखा और नुक्सान हो सकता है।

ये करें

उपायः भगवान गणेश व मां दुर्गा की आराधना करे। गौ सेवा करे। काले कुत्ते को इमरती देना लाभकारी होता है। नाक छिदवाएं। ताबें के प्लेट में छेद करके बहते पानी में बहाएं।

अपने भोजन में से एक हिस्सा गाय को, एक हिस्सा कुत्तों को और एक हिस्सा कौवे को दें, या अपने हाथ से गाय को हरा चारा, हरा साग खिलाएं।

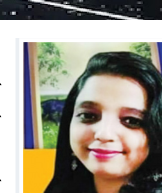

प्रियंका जैन
9769994439

उड़द की दाल का सेवन करें व दान करें।

बालिकाओं को भोजन कराएं।किन्नरों को हरी साड़ी, सुहाग सामग्री दान देना भी बहुत चमत्कारी है।
।।ॐ बुं बुधाय नमः ।।
का 108 बार नित्य जाप करना श्रेयस्कर होता है थवा गणेशअथर्वशीर्ष का पाठ करें। पन्ना धारण करें या हरे वस्त्र धारण करें यदि संभव न हो तो हरा रुमाल साथ रखें।

खबर संक्षेप

डुब्बी घाट में डूबे वृद्ध का चौथे दिन मिला शव

सिंहेश्वर। सिंहेश्वर थाना क्षेत्र अंतर्गत पटोरी में रविवार को डुब्बी घाट में स्नान करने के दौरान वृद्ध डूब गया था, जिसका शव जजहट सबैला में बुधवार को मिला।बताया क स्थानीय लोगों ने खोजबीन की, लेकिन पटोरी वार्ड संख्या चार निवासी सुबोध मेहता का पता नहीं चला।स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार को वह डुब्बी घाट स्नान करने गये थे।वापस नहीं आये पर ढूढने का प्रयास किया,लेकिन वह नहीं मिला।इसकी जानकारी अंचलाधिकारी नवीन कुमार को दी।अंचलाधिकारी ने एसडीआरफ की टीम को घटनास्थल पर भेजकर वृद्ध को ढूढने का प्रयास करवाया, लेकिन नहीं मिला।गोताखोर व स्थानीय लोगों ने जजहट सबैला से खोज निकाला।एसआइ गौरी शंकर सिंह ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया ।

सड़क किनारे पेड़ से टकरायी बाइक चालक की मौत, दो युवक घायल

लिट्टीपाड़ा। लिट्टीपाड़ा-हिरणपुर मुख्य मार्ग पर रांगा पुल के समीप गुरुवार को मोटरसाइकिल दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गयी।वहीं दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।जानकारी के अनुसार पाकुड़ के मालपहाडी थाना क्षेत्र के पाईकपाड़ा गांव निवासी गजलु सोरेन (25), बाबूलाल मरांडी (25) व विशु तुरी (22) तीनों एक ही बाइक (जेएच18एच/ 3296) पर सवार होकर लिट्टीपाड़ा आ रहे थे।इसी दौरान रांगा पुल के समीप तीखा मोड़ के पास बाइक का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी पेड़ पर टकरा गयी।इससे बाइक चालक गजलू सोरेन की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी।वहीं अन्य दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये।ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर तीनों को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गयी।जहां घायल दोनों युवक का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए पाकुड़ रेफर कर दिया गया।चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आनंद कुमार ने बताया दुर्घटना में गजलु सोरेन की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी थी, जबकि दो बाबूलाल मरांडी व विशु तुरी का प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के पाकुड़ रेफर कर दिया गया।थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह ने बताया दुर्घटना में एक की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पाकुड़ भेज दिया गया है।मामले की जांच की जा रही है।

दरोगा के बेटे की हत्या के दो आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

एजेंसी | बरेली

बरेली में दरोगा के बेटे अमन उर्फ बिट्टू की गला दबाकर हत्या के मामले में किला पुलिस ने पहली बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने बाकरगंज पुल के पास सुबह के वक्त मुठभेड़ में मुख्य आरोपी कुंवरपुर निवासी विपिन गुप्ता और नवादा शेखान निवासी शालू गुप्ता को पैर में गोली मारकर गिरफ्तार कर लिया। दोनों का जिला अस्पताल में पुलिस की निगरानी में इलाज कराया जा रहा है। विपिन पर अलग अलग थानों में 15 मुकदमे और शालू पर सात मुकदमे दर्ज हैं। विपिन से ही अमन का प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। इस मामले में एसओजी टीम के तीन सदस्य मध्यस्थता करा रहे थे और अपने गुर्गे राम के जरिए अमन को बुलाया था। टीम के पास पहुंचने से पहले विपिन गैंग ने अमन की हत्या कर दी थी। अमन का शव 14 जुलाई को मिनी बाईपास पर जीएन सिटी कॉलोनी के पास नाली से बरामद हुआ था। अमन के पिता सुनील कुमार शाहजहांपुर में दरोगा हैं।

15 जुलाई को दर्ज कराई थी रिपोर्ट

अमन की हत्या की रिपोर्ट 15 जुलाई को किला थाने में दर्ज हुई थी। अमन की मां शोभा ने आरोप लगाया था कि उनका बेटा अमन एसओजी के बुलावे पर 13 जुलाई को पुलिस लाइन जाने की बात कहकर गया था। उसे राम गूजर के जरिये समझौता कराने के लिए बुलाया गया था। इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने तब एफआईआर में एसओजी टीम को बतौर आरोपी शामिल नहीं किया था। इस बीच किला थाने लाया गया राम गूजर फरार हो गया। इस बार फिर एसओजी व किला पुलिस कठघरे में है। बताते हैं कि प्रॉपर्टी विवाद सुलझाने के बहाने अमन को बुलाने में एसओजी के तीन सदस्यों की भूमिका रही। एसएसपी ने एसओजी सदस्यों की भूमिका और किला पुलिस की लापरवाही की जांच सीओ द्वितीय संदीप कुमार सिंह को सौंपी है।

हिस्ट्रीशीटर ललित का चेला है विपिन

अमन की हत्या का मुख्य आरोपी विपिन हाल ही में मुठभेड़ के बाद जेल भेजे गए हिस्ट्रीशीटर ललित सक्सेना का खास चेला है। जिन दुकानों को लेकर विपिन और अमन का विवाद चल रहा था, वह ललित सक्सेना की मार्केट बताई जा रही है। बताते हैं कि इन्हीं में से एक दुकान अमन के नाम पर है। इस दुकान में विपिन ने ताले डाल दिए थे। इसी को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ रहे थे।

फिरोजाबाद में शराब माफिया पर बड़ी कार्रवाई

60 लाख की संपत्ति की गई जब्त

एजेंसी | फिरोजाबाद

फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में गिरोह बनाकर अपराध करने वाले शराब माफिया गैंग लीडर की लगभग 60 लाख रुपए की अचल संपत्ति को शिकोहाबाद पुलिस ने एसडीएम-सीओ के नेतृत्व में जब्त किया है। पुलिस टीम की इस कार्रवाई के बाद बदमाशों के हौंसले पस्त हुए हैं। पुलिस ने जब्तीकरण की कार्रवाई के बाद लोगों को अनाउंसमेंट करते हुए जागरूक किया।]जनपद के थाना खैरगढ़, शिकोहाबाद व टूंडला क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं एवं शराब की तस्करी करने वाले शराब माफिया भूपेंद्र सिंह उर्फ फौजी निवासी नगला कुंजी जवापुर थाना दन्नाहार जिला मैनपुरी हाल निवासी यशोदा नगर, शिकोहाबाद के खिलाफ छह मुकदमे दर्ज हैं। जिस पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई भी की जा चुकी है। बृहस्पतिवार को एसएसपी सौरभ दीक्षित के निर्देशन में शिकोहाबाद पुलिस टीम ने शराब माफिया के खिलाफ धारा 14 (1) गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई की। मौके पर पहुंची एसडीएम विकल्प, सीओ प्रवीण कुमार तिवारी, इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह एवं अन्य टीम ने शराब माफिया की 60,65,838 लाख रुपए की अचल संपत्ति को जब्त किया।

बारात में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट

दूल्हे के भाई समेत तीन घायल

सामाजिक व प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद मंदिर में करायी गयी शादी

एजेंसी | बड़हिया

नगर परिषद बड़हिया के वार्ड नंबर 16 से बुधवार को प्रखंड के भानपुर गांव गये बारातियों के साथ जमकर मारपीट कर घायल कर देने का मामला सामने आया है।जिसमें दूल्हे के भाई समेत तीन घायल है।सभी घायलों का इलाज बड़हिया रेफरल अस्पताल में किया गया।घायल की पहचान नगर के वार्ड संख्या 16 निवासी अमित कुमार, संदीप कुमार, कुणाल कुमार के रूप में हुई।लड़ाई का कारण अलग-अलग बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार बड़हिया नगर के वार्ड नंबर 16 से भानपुर निवासी मनोज महतो के घर गये बारात को उत्क्रमित मध्य विद्यालय कमरपुर में ठहराया गया था।विद्यालय में एक ओर दूसरे गांव से भानपुर आये बारात को ठहराया गया।जिसको लेकर कमरपुर व भानपुर के ग्रामीणों में गुस्सा था।गांव के किसी भी बारात के ठहराव के लिए विद्यालय परिसर नहीं दिया जाता था।बड़हिया से आने वाली बारात को मिली सुविधा को ग्रामीणों द्वारा प्राचार्य के भी बड़हिया निवासी होने रहने का कारण बताया गया।इस संबंध में भानपुर ग्रामीणों का कहना है कि बारात में शामिल कई लोग नशे की हालत में गाली-गलौज कर रहे थे, जिससे विवाद और मारपीट हुआ। मारपीट से पूर्व बारात दुल्हन के घर पहुंच गयी थी।वरमाला के रस्म भी हो गये थे।बारातियों को जब भोजन मिलने वाला था, इस क्रम में ही हुए मारपीट से खिन्न दूल्हा समेत पूरी बारात वापस लौट गयी।हालांकि बाद में सामाजिक और प्रशासनिक प्रयास के बीच दुल्हन को बड़हिया के ही त्रिपुरेश्वर महादेव मंदिर में लाकर शादी की रस्म विधिवत पूरी की गयी।

गलती से गोली चलने से सिपाही की मौत

एजेंसी | अलीगढ़

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में गोकशी की सूचना पर दबिश डालने पहुंची पुलिस एक बड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। उनकी टीम में गलती से चली गोली से एक सिपाही की मौत हो गई और दारोगा घायल हो गए। घटना गभाना थाना क्षेत्र की है। मृतक स्पेशल ऑपरेशनल ग्रुप (SOG) में तैनात सिपाही याकूब हैं, जबकि घायल दारोगा राजीव कुमार हैं। उनको पेट में गोली लगी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने मामले के जांच के आदेश दिए हैं।

कैसे चली गलती से गोली?

बुधवार रात को दबिश की जानकारी मिलने पर पुलिस और SOG की टीम मौके पर निकल रही थी। इससे पहले सभी अपने-अपने हथियार को लोड और चेक कर रहे थे। तभी दारोगा मजहर हसन की पिस्तौल फंस गई। इसे खोलने के लिए दारोगा राजीव कुमार ने कोशिश की, तभी अचानक से गोली चल गई, जो राजीव के पेट को चीरते हुए सिपाही मोहम्मद याकूब के सिर में लगी। याकूब की मौके पर मौत हो गई, जबकि राजीव अस्पताल में हैं।

अब अररिया जिले में बाढ़ से बहा पुल

एक महीने में 15वां मामला

एजेंसी | अररिया

बिहार में पुल गिरने की घटनाओं के बीच मंगलवार को अररिया में एक और पुल ध्वस्त हो गया। यह पुल फारबिसगंज ब्लॉक के अमहारा गांव में परमान नदी पर बना था। नदी में बाढ़ आने से पुल पानी का भारी दबाव सहन नहीं कर पाया और बह गया। जिला मजिस्ट्रेट इनायत खान ने बताया कि पुल का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग ने 2008-09 में किया था। राज्य में एक महीने में 15 पुल गिरे हैं।

सड़क यातायात के लिए बंद था पुल

रिपोर्ट के मुताबिक, 2017 में आई बाढ़ की वजह से पुल क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसकी वजह से यह बंद था। यहां से वाहनों का आना-जाना नहीं होता था। अररिया के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि 2017 में ही पुल को अनुपयुक्त घोषित किया गया था, लेकिन 2021-22 में इसकी मरम्मत भी हुई थी। मरम्मत और नवीनीकरण के बाद पुल कैसे ध्वस्त हुआ, इसको लेकर जांच की जा रही है। बिहार में पुल गिरने की सिलसिला जारी है। 1 महीने के अंदर 15 पुल गिर चुके हैं। 12 पुल तो 18 जून से 4 जुलाई के बीच गिरे थे। अब तक अररिया, सीवान, पूर्वी चंपारण, किशनगंज, मधुबनी, मुजफ्फरपुर और सारण में पुल गिरा है।

दो बाइक की टक्कर में तीन युवकों की मौत, दो घायल

एजेंसी | फरक्का

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला अंतर्गत रघुनाथगंज थाना क्षेत्र मिर्जापुर गांव के समीप मुख्य सड़क पर दो तेज रफ्तार बाइक की हुई सीधी टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गयी।वहीं, दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।इनका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।स्थिति गंभीर बनी हुई है।मृतक में से एक युवक 12वीं कक्षा का छात्र है।घटना के बाद आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गयी।हालांकि रघुनाथगंज की पुलिस मौके पर पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया।लोग बताते हैं कि दोनों बाइक दुर्घटना के समय काफी तेज गति में थी।गांव के लोगों व परिजनों का कहना है कि दोनों मिर्जापुर गांव के ही रहने वाले थे।दोनों बाइक पर कुल पांच युवक सवार थे।किसी ने हेलमेट नहीं पहना था।इन लोगों ने हेलमेट पहना रहता तो शायद उनकी जान बच सकती थी।मृतक की पहचान संजीव मंडल (22) व भादू मंडल (21) के रूप में की गयी है।दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी, जबकि शुभ मंडल (20) को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने के बाद इलाज के दौरान हो गयी।अन्य एक छात्र व दूसरा द्वितीय कक्षा की छात्रा घायल गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है।पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी और बाइक को जब्त कर लिया है।

सेंसेक्स पहली बार 81,000 अंक के पार

एजेंसी | मुंबई

एजेंसी। शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी का सिलसिला गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा और सेंसेक्स 627 अंक उछलकर पहली बार 81,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। निफ्टी भी 24,800 के नए शिखर पर पहुंच गया। आईटी, तेल एवं गैस तथा दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी रही। बीते चार सत्रों में सेंसेक्स 1446 अंक और निफ्टी 485 अंक चढ़ चुका है।

81,343.46 अंक पर बंद हुआ सेंसेक्स

सेंसेक्स 626.91 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की तेजी के साथ नई ऊंचाई 81,343.46 अंक पर बंद हुआ। बाजार में शुरुआत कमजोर रही और एक समय यह 80,390.37 अंक के निचले स्तर तक आ गया था। हालांकि, टीसीएस, इन्फोसिस और टेक महिंद्रा जैसे आईटी शेयरों तथा सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज में लिवाली से सूचकांक दोपहर बाद नुकसान से उबर गया। एक समय यह 806 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ नए रिकॉर्ड स्तर 81,522.55 अंक तक चला गया था।

निफ्टी भी नए शिखर पर पहुंचा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी शुरुआती नुकसान से उबरते हुए 187.85 अंक यानी 0.76 प्रतिशत चढ़कर 24,800.85 के नए शिखर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 224.75 अंक उछलकर रिकॉर्ड 24,837.75 अंक तक चला गया था।

आईटी शेयरों में तेज उछाल

सेंसेक्स के शेयरों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सबसे ज्यादा 3.33 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, इन्फोसिस का शेयर वित्तीय परिणाम आने से पहले 1.93 प्रतिशत मजबूत हुआ। बाजार बंद होने के बाद इन्फोसिस ने वित्तीय नतीजे जारी किए। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ अप्रैल-जून तिमाही में सात प्रतिशत बढ़कर 6,368 करोड़ रुपये रहा। इन्फोसिस ने चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि परिदृश्य को भी बढ़ाया है। लाभ में रहने वाले अन्य शेयरों में बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज शामिल हैं।

तेजी के ये प्रमुख कारण

- कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजे
- रेटिंग एजेंसियों ने भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाया
- बजट को लेकर भी निवेशकों में आस बढ़ी
- रुपये की विनिमय दर में गिरावट आई
- विदेशी निवेशकों ने शेयर खरीदारी बढ़ाई

सबवेंशन के तहत घर खरीद्दारों के खिलाफ बैंकों को दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक

एजेंसी | नई दिल्ली

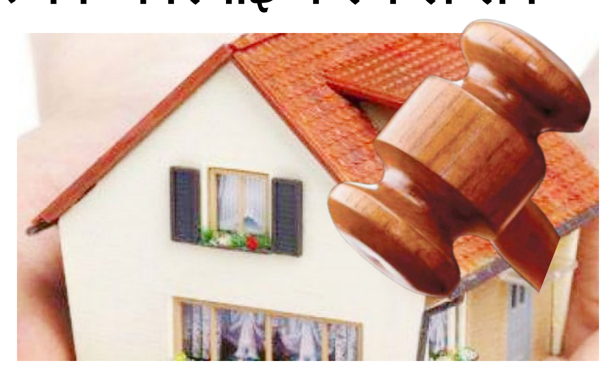

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सबवेंशन प्लान के तहत घर खरीददारों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने इस योजना के तहत घर खरीदने वालों के खिलाफ मासिक किस्त (ईएमआई) का भुगतान नहीं किए जाने पर लोन देने वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को उनके खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, ऐसे घर खरीदारों के खिलाफ चेक बाउंस का भी मुकदमा चलाने पर फिलहाल रोक लगा दी है। जस्टिस सूर्यकांत और उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दाखिल अपीलों पर सुनवाई करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया है। उच्च न्यायालय ने पिछले साल 14 मार्च को जारी अपने फैसले में सबवेंशन योजना के तहत घर खरीदरों को राहत देने से इनकार करते हुए ईएमआई का भुगतान नहीं होने पर उनके खिलाफ होम लोन देने वाले बैंकों व वित्तीय संस्थानों द्वारा की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। उच्च न्यायालय में दाखिल याचिकाओं में खरीददारों ने बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों को रियल एस्टेट डेवलपर द्वारा उनके फ्लैट का कब्जा दिए जाने तक ईएमआई नहीं लेने और ईएमआई का भुगतान नहीं होने पर की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाने का आदेश देने की मांग की थी। उच्च न्यायालय से राहत नहीं मिलने के बाद फ्लैट खरीदारों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल की है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में बैंकों व वित्तीय संस्थानों व संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने 15 जुलाई को पारित अपने अंतरिम आदेश में कहा है कि अगले आदेश तक सबवेंशन योजना के तहत घर खरीददारों के खिलाफ बैंकों /वित्तीय संस्थानों या बिल्डर/डेवलपर की ओर से मकान खरीदारों के खिलाफ ईएमआई के भुगतान को लेकर किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। इसके साथ ही पीठ ने खरीददारों के खिलाफ इस मसले में चैक बाउंस के मामले में भी किसी तरह की शिकायत सहित कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि अधिकांश बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने अपने जवाब दाखिल कर दिया है, लेकिन जिसने अभी तक दाखिल नहीं किया है, वे अपना जवाब दाखिल कर दें। जवाब दाखिल करने के लिए शीर्ष अदालत ने दो सप्ताह का वक्त देते हुए कहा है कि इस कार्य के लिए आखिरी मौका है। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 27 सितंबर तय कर दी है।

क्या होती है सबवेंशन प्लान?

इस योजना के तहत बिल्डर मकान खरीदते समय एक कुल कीमत का एक निश्चित रकम जमा कराने को कहता है और यह वादा किया जाता है कि बाकी का रकम मकान का कब्जा मिलने के बाद उन्हें भुगतान करना है। हालांकि बिल्डर इस बीच खरीददार के दस्तावेजों के आधार पर बैंकों व वित्तीय संस्थानों होम लोन ले लेता और इसके तहत ईएमआई के भुगतान करने की जिम्मेदारी बिल्डर की होती है।

इन्फोसिस का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 7.1 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी | बेंगलुरु

प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष (2024-25) की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 7.1 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि अनुमान को भी बढ़ा दिया है। इन्फोसिस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसका एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में बढ़कर 6,368 करोड़ रुपये रहा है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,945 करोड़ रुपये था। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत घटा है। इससे पिछली मार्च तिमाही में कंपनी ने 7,969 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

बगैर लाइसेंस ऐप आधारित टैक्सी सेवा कंपनियों के वाहनों पर कार्रवाई शुरू

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली में बगैर लाइसेंस सेवाएं दे रहीं ऐप आधारित टैक्सी व डिलीवरी सेवा प्रदाता कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दिल्ली परिवहन विभाग के इनफोर्समेंट टीम ने बीते चार दिन में ऐसे 70 से अधिक वाहनों को जब्त किया है, जो ऐसी कंपनियों के साथ सेवाएं दे रहे हैं जिन्होंने अब तक लाइसेंस नहीं लिया है, जबकि लाइसेंस लेने के लिए तय समय सीमा खत्म हो चुकी है। वर्तमान में दिल्ली में 15 के करीब ऐप आधारित सेवा प्रदाता कंपनियों ने लाइसेंस लिया है। ओला, उबर, इनड्राइव समेत ऐप आधारित सेवा प्रदाता कंपनियों के लिए दिल्ली सरकार ने बीते जनवरी में कैब एग्रीगेटर और डिलीवरी सेवा प्रदाता नीति की अधिसूचना जारी की थी। सरकार ने पहले से सेवाएं दे रहीं कंपनियों से कहा था कि अधिसूचना जारी होने के करीब 90 दिन के भीतर उन्हें लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। बीते 15 जून को 90 दिन की सीमा खत्म हो गई, लेकिन अभी तक करीब 15 कंपनियों ने ही लाइसेंस लिया है। सरकार के बार-बार निर्देश के बाद भी कई कंपनियों ने लाइसेंस नहीं लिया।

हॉकी की सब जूनियर दक्षिण क्षेत्र चैंपियनशिप आज से

एजेंसी | नई दिल्ली

हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला दक्षिण क्षेत्र चैंपियनशिप का दूसरा सत्र केरल के कोल्लम में आज से खेला जाएगा जिसमें छह टीमें भाग लेंगी। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना, पुडुच्चेरी और केरल इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। इसमें सभी टीमें एक-दूसरे से एक बार राउंड रॉबिन आधार पर खेलेंगी। शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, यह चैंपियनशिप सिर्फ जीतने के लिए नहीं है बल्कि सीखने के लिए है। इससे युवा खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाकर अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा। पुरुष वर्ग में पहले दिन आंध्र प्रदेश का सामना पुडुच्चेरी से, कर्नाटक का तेलंगाना से और तमिलनाडु का केरल से होगा।

दूसरा टेस्ट

इंग्लैंड ने बनाया सबसे तेज टीम अर्धशतक का रिकॉर्ड

- 4.2 ओवर में इंग्लैंड ने सबसे तेज टीम अर्धशतक पूरा किया
- 5.3 ओवर में दो बार अर्धशतक पूरा कर भारत 5वें स्थान पर

अंग्रेज सबसे तेज

सबसे तेज टीम अर्धशतक की सूची में पहले तीन स्थान पर इंग्लैंड काबिज है। इंग्लैंड ने 2002 में श्रीलंका के खिलाफ मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भी पांच ओवर में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक जड़ा था। श्रीलंका इस सूची में चौथे स्थान पर है जिसने 2004 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ 5.2 ओवर में अर्धशतक पूरा किया था। भारत दो बार 5.3 ओवर में अर्धशतक पूरा करके इस सूची में पांचवें स्थान पर है।

एजेंसी | नॉटिंघम

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने अपना आक्रामक रवैया जारी रखते हुए यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन ही एक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उसने गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ सिर्फ 4.2 ओवर में सबसे तेज टीम अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड बना दिया।

सलामी बल्लेबाज बेन डकेट (नाबाद 33 रन, 14 गेंद) और ओली पोप (नाबाद 16 रन, नौ गेंद) ने मिलकर 10 चौके लगाए जिससे इंग्लैंड ने 1994 में द ओवल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4.3 ओवर में अर्धशतक के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। इसकी मदद से टीम ने लंच के समय तक पहली पारी में दो विकेट पर 134 रन बना लिए थे। उस समय पोप 47 और जो रूट 13 रन पर थे। इससे पहले बेन डकेट ने 71 रन ठोके जबकि पहले विकेट के रूप में जैक क्राउले खाता खोले बिना लौट गए।

टेनिस डायरी

अमेलिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में अंकिता

एजेंसी | नॉटिंघम

शीर्ष भारतीय महिला टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने गुरुवार को आईटीएफ ग्रेट ब्रिटेन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। 31 वर्षीय अंकिता ने तीन सेट तक चले मुकाबले में स्थानीय खिलाड़ी अमेलिया राजेकी को 6-2, 4-6, 6-0 से पराजित किया। अंकिता ने लगातार दूसरा मुकाबला तीन सेट में जीता है। अंकिता ने पहला सेट आसनी से जीत लिया लेकिन दूसरे में अपनी लय गंवा दी। हालांकि निर्णायक सेट में 258वें नंबर भारतीय खिलाड़ी ने अमेलिया को कोई मौका नहीं दिया। अंकिता ने शुरुआती मुकाबले में कनाडा की कैडेंस ब्रेस को 6-4, 4-6, 7-5 से बाहर का रास्ता दिखाया था।

नागल का सफर अंतिम-16 में थमा

एजेंसी | बस्ताड (स्वीडन)

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल युगल के बाद नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के एकल में भी हारकर बाहर हो गए। दुनिया के 68वें नंबर के खिलाड़ी नागल अंतिम-16 में अर्जेंटीना के 36वें नंबर के खिलाड़ी मारियानो नवोन से पार नहीं पा सके। नागल को चौथे वरीयता प्राप्त नवोन के हाथों 4-6, 2-6 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। वहीं, शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रूबलेव को अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन तिरांटे ने 7-6, 3-6 6-4 से उलटफेर का शिकार बनाया।

सेमीफाइनल में भांबरी-अल्बानो की जोड़ी

एजेंसी | स्विट्जरलैंड

युकी भांबरी फ्रांस के अपने जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेट्टी के साथ स्विस ओपन के युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गए। तीसरी वरीयता प्राप्त भांबरी-अल्बानो की जोड़ी ने गुरुवार को नीदरलैंड्स के माट्वे मिडेलकूप और यूक्रेन के डेनिस मोलचानोव की जोड़ी को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। भांबरी और अल्बानो की जोड़ी का यह सत्र का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले इस जोड़ी ने जर्मनी में बवेरियन चैंपियनशिप की ट्रॉफी जीती थी जबकि फ्रांस में लियोन ओपन में उपविजेता रही थी।

बैडमिंटन

बीमारियों को हराने के बाद स्पीड बढ़ाने में जुटे प्रणय

एजेंसी | नई दिल्ली

बीमारियों पर जीत दर्ज करने के बाद अनुभवी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय पेरिस ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते है। अपने कोच तथा पूर्व खिलाड़ी आरएमवी गुरुसाईदत्त की देखरेख में वह अपने गेम की स्पीड बढ़ाने में जुटे हुए हैं।

तीन बीमारियों से जूझे

पहली बार ओलंपिक खेलने जा रहे प्रणय कुछ समय के लगातार बीमारियों की चपेट में रहे हैं। थॉमस कप विजेता टीम के सदस्य को पेट की गंभीर बीमारी के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहना पड़ा था। फिर पीठ की चोट ने उन्हें परेशान किया और उसके बाद चिकनगुनिया के कारण उन्हें एक सप्ताह तक विश्राम करना पड़ा। कोच गुरुसाईदत्त ने कहा, ऑस्ट्रेलिया ओपन के बाद हमने जो तैयारियां शुरू की थी, वे सही रास्ते पर हैं, हम सही रास्ते पर है। इस यात्रा में प्रणय के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि भले ही वह संघर्ष कर रहा था लेकिन अभ्यास में कोताही नहीं बरत रहा था और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा था। उसे मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ा इसलिए को बनाए रखना आसान नहीं था।

दमदार खिलाड़ी

गुरुसाईदत्त ने कहा, वह बड़े मौकों पर दमदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। उसने तीन-चार साल में कई बार ऐसा किया है। एक कोच के रूप में मुझे और गोपी सर (राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद) को उन पर भरोसा है। गुरुसाईदत्त की कोचिंग टीम ने उनके शरीर से सामंजस्य बिठाने के लिए अभ्यास के तरीके के कुछ बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा, पिछले तीन-चार टूर्नामेंटों के आधार पर गोपी सर का मानना है कि उसे लंबी अवधि के मैच खेलने होंगे। हमने इस पहलू पर काम किया।

फीफा रैंकिंग : भारतीय टीम 124वें स्थान पर कायम

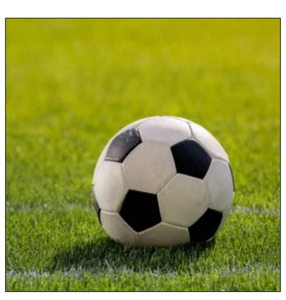

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम गुरुवार को जारी फीफा पुरुष रैंकिंग में 124वें स्थान पर बरकरार है जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन और कोपा अमेरिका विजेता अर्जेंटीना ने भी अपना शीर्ष स्थान मजबूत किया। जून में जारी फीफा रैंकिंग में भारतीय पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम सूची में तीन पायदान खिसक गई थी। पिछले साल दिसंबर से भारत का रैंकिंग में खिसकना जारी है। भारतीय टीम पिछले साल शीर्ष 100 में पहुंची थी जिसमें उसकी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 99 रही थी। लेकिन इसके बाद से उसका खिसकना जारी है। एशिया में भारत 22वें स्थान पर बरकरार है जिसमें वह लेबनान, फलस्तीन और वियतनाम से पीछे है। अर्जेंटीना ने सफलतापूर्वक कोपा अमेरिका खिताब बरकरार रखने के बाद रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पकड़ मजबूत कर ली है। फ्रांस (दूसरी रैंकिंग) यूरो 2024 के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद दूसरे स्थान पर है।

मुंबई के मैदानों से

आरिश सुतारिया की है-ट्रिक

मुंबई। आरिश सुतारिया ने दमदार खेल दिखाते हुए बांद्रा के नेविल डिसूजा मैदान पर खेले गए मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन लीग 2023-24 द्वितीय डिवीजन के मैच में रुफियान्स एफसी की ओर से शानदार है-ट्रिक लगाई। उनके इस खेल के कारण उनकी टीम ने ब्लिट्जक्राईग एफसी को 4-1 से पटकनी दी। सुतारिया के तीन गोल के अलावा अनिश भाबड़ा ने विजयी टीम की ओर से चौथा गोल दागा, जबकि ब्लिट्जक्राईग एफसी का एकमात्र गोल कासिफ सिद्दकी द्वारा किया गया। दूसरे डिवीजन के एक अन्य मैच में एमएच ऑरेन्ज स्पोर्ट्स क्लब ने यंगस्टर एफसी को 2-1 से पराजित किया और पूरे अंक बटोरे।

शनिवार से बांबे जिमखाना स्क्वैश स्पर्धा

मुंबई। आगामी शनिवार से बांबे जिमखाना के स्क्वैश कोर्ट पर 47वें महाराष्ट्र राज्य ओपन स्क्वैश प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मर्सिडिज बेन्ज परफ्युम्स द्वारा प्रायोजित इस प्रतियोगिता में देश के सभी बड़े खिलाड़ियों ने भाग लेने की पुष्टि कर दी है। बांबे जिमखाना इस प्रतियोगिता का आयोजन स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और महाराष्ट्र स्क्वैश रैकेट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में कर रहा है। कुल 12 वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता में 533 खिलाड़ियों ने भाग लेने के लिए हामी भरी है, जिसमें 107 खिलाड़ी पुरुष एकल में और 22 खिलाड़ी महिला एकल में भाग लेने वाले हैं।

मलाइका अरोड़ा ने साझा की 'मिस्ट्री मैन' की तस्वीर

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बीते काफी वक्त से ब्रेकअप की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। दोनों ने अलग होने की खबरों पर भले ही अब तक कोई प्रतिक्रिया ना दी हो, लेकिन मलाइका के इंस्टाग्राम पोस्ट और अर्जुन की बर्थडे पार्टी में उनकी गैरमौजूदगी यह साबित करने के लिए काफी है कि दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं। अर्जुन के साथ ब्रेकअप की अफवाहों के बीच अब मलाइका ने अपनी इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है।

स्पेन में हैं मलाइका

मलाइका इन दिनों स्पेन में हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की हैं, जिसमें व्यक्ति की झलक दिख रही है। वह अपने हाथ में जूस का ग्लास लिए नजर आ रहा है। हालांकि, उनका चेहरा साफ नहीं दिख रहा है। ऐसे में उन्हें पहचानना काफी मुश्किल हो रहा है।

माता-पिता बने ऋचा चड्ढा और अली फजल

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अभिनेता अली फजल के घर में खुशियों ने दस्तक दे दी है। दरअसल, शादी के 2 साल बाद वे माता-पिता बन गए हैं। ऋचा ने 16 जुलाई को मुंबई के एक निजी अस्पताल में बेटी को जन्म दिया है। यह उनकी पहली संतान है। अब ऋचा और अली ने एक बयान जारी अपनी खुशी जाहिर की और बताया कि उनका परिवार भी बेहद खुश हैं। ऋचा और बच्चे की हालत स्थिर बताई जा रही है।

हमारा पूरा परिवार बहुत खुश हैं- ऋचा

ऋचा ने खुशखबरी साझा करते हुए कहा, ₹हमें यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि 16 जुलाई को हमारे यहां बेटी का आगमन हुआ। बच्ची बिल्कुल स्वस्थ है। हमारा पूरा परिवार बहुत खुश हैं। हम अपने शुभचिंतकों के प्रति शुक्रगुजार हैं, जो उन्होंने इतना प्यार और आशीर्वाद दिया।₹

ऋचा और अली ने 4 अक्टूबर, 2022 को अपने परिवार और दोस्तों की मौजदूगी में शादी रचाई थी।

ऋचा ने साझा की थीं प्रेग्नेंसी की तस्वीरें

ऋचा ने 2 दिन पहले यानी 16 जुलाई को अली के साथ अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी की तस्वीरें साझा की थीं। इसी दिन ऋचा और अली ने अपनी बेटी का दुनिया में स्वागत किया था, लेकिन उन्होंने प्रशंसकों को इसकी भनक नहीं लगने दी।

भारती सिंह का यूट्यूब चैनल हुआ हैक

मनोरंजन जगत की दुनिया का भारती सिंह वो चमकता सितारा हैं, जो किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। 'लाफ्टर क्वीन' के नाम से पहचानी जानी वाली भारती ने अपनी मेहनत के बल पर हंसी और ठहाकों की इस दुनिया में एक अलग मुकाम हासिल किया। भारती रिएलिटी शोज के साथ-साथ यूट्यूब पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। अब खबर है कि भारती का यूट्यूब चैनल हैक हो गया है और इसके लिए उन्होंने मदद की गुहार लगाई है।

यूट्यूब इंडिया से लगाई मदद की गुहार

भारती ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर खुलासा किया कि उनका यूट्यूब चैनल हैक हो गया है। उन्होंने यूट्यूब इंडिया से मदद की गुहार लगाई है। भारती ने लिखा, 'हम एक गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं। यूट्यूब पर हमारा पॉडकास्ट चैनल हैक हो गया है। हमने चैनल का नाम और वीडियो बदले जाने से पहले ही एक मुद्दा उठाया है। हमें अपना चैनल वापस पाने और उसे सुरक्षित करने के लिए आपकी तत्काल सहायता की आवश्यकता है।'

अक्षय कुमार की पहली तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' दिसंबर में होगी रिलीज

अक्षय कुमार आजकल फिल्म 'सरफिरा' को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में भले ही अक्षय की अदाकारी की खूब तारीफ हो रही हो, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब अक्षय दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से वह अपनी पहली तेलुगु फिल्म 'कन्नप्पा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। अब फिल्म को रिलीज तारीख मिल गई है।

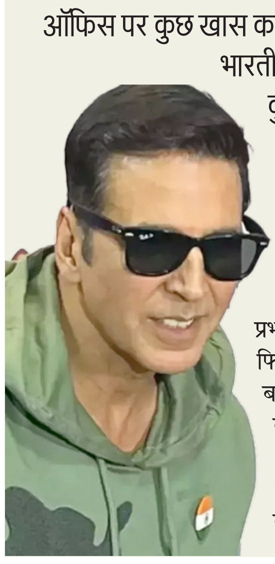

ये सितारे भी आएंगे नजर

'कन्नप्पा' में विष्णु मंचू मुख्य भूनिका में नजर आएंगे। प्रभास, मोहनलाल, प्रभुदेवा और आर सरथ कुमार भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बन रही यह फिल्म दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। इस फिल्म की कहानी छठीं और आठवीं शताब्दी के दौरान भगवान शिव के एक प्रबल भक्त के इर्द-गिर्द घूमेगी। मोहन बाबू इस फिल्म के निर्माता हैं। अभिनेत्री काजल अग्रवाल भी इस फिल्म में नजर आएंगी।

'स्त्री 3' के लिए नहीं करना होगा लंबा इंतजार

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' को दर्शकों का खूब प्यार मिला था। यह फिल्म साल 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब 6 साल बाद 'स्त्री' की दूसरी किस्त दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। लंबे इंतजार के बाद 'स्त्री 2' का ट्रेलर आखिरकार आज (18 जुलाई) एक कार्यक्रम में लॉन्च किया गया। इस दौरान फिल्म के निर्माता दिनेश विजान ने 'स्त्री' की तीसरी किस्त 'स्त्री 3' पर मुहर लगा दी है।

कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत के दौरान दिनेश ने बताया कि फिल्म के तीसरे भाग पर काम पहले ही शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा, ₹हमने 'स्त्री 3' पर काम शुरू कर दिया है। इसलिए इस बार इंतजार ज्यादा लंबा नहीं होगा।₹ गौरतलब है कि मैडॉक की इस सुपरनैचुरल यूनिवर्स की शुरुआत साल 2018 में 'स्त्री' से हुई थी। इसके बाद इस यूनिवर्स के तहत 'रूही', 'भेड़िया' और हाल ही में बॉक्स-ऑफिस पर कमाल करने वाली 'मुंज्या' फिल्म बनाई गई।

न्यूज़ ब्रीफ

जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार 4 दिन में दोबारा खुला

पुरी। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार (खजाना) गुरुवार को एक बार फिर से खोला गया है। इस दौरान इनर रत्न भंडार में मौजूद आभूषण और कीमती सामान को अस्थायी स्ट्रांग

रूम में शिफ्ट किया जाएगा। इससे पहले रविवार (14 जुलाई) को 46 साल बाद रत्न भंडार को खोला गया था, जिसमें आउटर रत्न भंडार का सामान 6 बक्सों में शिफ्ट करके सील किया गया था। मंदिर प्रशासन ने सुबह 8 बजे से मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। अधिकारियों के मुताबिक, भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के समक्ष प्रार्थना करने के बाद ओडिशा सरकार की ओर से गठित पर्यवेक्षी (सुपरविजन) कमेटी के सदस्यों ने 9 बजे मंदिर में प्रवेश किया। रत्न भंडार के खजाने को सुबह करीब 10 बजे खोला गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि कीमती सामान को बाहर निकालने का काम आज भी पूरा नहीं हो पाता है तो तय मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) के तहत काम जारी रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट के दो नए जजों ने ली शपथ, मणिपुर से SC को मिला पहला जज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के दो नए जजों को गुरुवार (18 जुलाई) को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शपथ दिलाई। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अब 34 जजों की संख्या पूरी हो गई है। दो नए जजों में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह और मद्रास हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आर महादेवन शामिल हैं। जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह मणिपुर से आते हैं। राज्य से सुप्रीम कोर्ट पहुंचने वाले वे पहले जज बन गए हैं। 11 जुलाई को CJI की अध्यक्षता वाले 5 सदस्यीय कॉलेजियम ने जस्टिस सिंह और जस्टिस महादेवन के नाम की सिफारिश की थी। इस 16 जुलाई को केंद्र ने मंजूरी दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर को रिहा करने का दिया आदेश

नई दिल्ली। देश की शीर्ष अदालत ने यूट्यूबर 'सवुक्कू' शंकर को अंतरिम राहत दी है, जो फिलहाल गुंडा एक्ट के तहत कोयंबटूर सेंट्रल जेल में बंद है। इस मामले में न्यायाधीश सुधांशु धुलिया और एहानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि वह मामले का गुण-दोष के आधार पर फैसला नहीं करेंगे, क्योंकि मद्रास हाईकोर्ट इस मामले पर विचार कर रहा है। इस सुनवाई के दौरान पीठ ने पक्षों की ओर से पेश वकीलों की दलीलें दर्ज कीं कि वे मामले की सुनवाई में तेजी लाने के लिए सोमवार या मंगलवार को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या उचित पीठ के समक्ष मामला उठाएंगे। पीठ ने कहा कि हमारा निश्चित रूप से मानना है कि मामले में जो देरी हुई है, उसमें याचिकाकर्ता का कोई हाथ नहीं है। वहीं विशेष तथ्यों को देखते हुए, याचिकाकर्ता को तब तक रिहा किया जाना चाहिए जब तक कि हिरासत के खिलाफ मामला उच्च न्यायालय की तरफ से तय नहीं हो जाता, पीठ ने इस दौरान स्पष्ट किया कि उसका आदेश केवल निवारक हिरासत के मामलों से संबंधित है। पीठ ने इस दौरान साफ कि अगर याचिकाकर्ता किसी अन्य मामले में जेल में है, तो यह आदेश उस पर प्रभावी नहीं होगा।

'हर परीक्षा केंद्र का रिजल्ट ऑनलाइन अपलोड करें'

NEET विवाद सुप्रीम कोर्ट का NTA को आदेश ● सभी परीक्षा परिणाम 20 जुलाई की दोपहर 12 बजे तक करे अपलोड

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय प्रवेश-सह पात्रता परीक्षा (NEET)-UG 2024 के पेपर लीक और कथित अनियमितता से जुड़े मामले पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस दौरान कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) को बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने NTA से कहा कि वो सभी छात्रों के परिणाम 20 जुलाई की दोपहर 12 बजे तक परीक्षा केंद्र और शहर के हिसाब से अपनी वेबसाइट पर अपलोड करे।

कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने NTA से कहा कि वह NEET-UG 2024 रिजल्ट के पूरे आंकड़े ऑनलाइन अपलोड करे। NTA को ये आंकड़े शहर और परीक्षा केंद्र के हिसाब से अलग-अलग अपलोड करने होंगे। कोर्ट ने कहा कि छात्रों की पहचान छिपाकर लिस्ट डाली जा सकती है, ताकि छात्रों की पहचान सार्वजनिक न हो। कोर्ट ने इसके लिए पहले NTA को 19 जुलाई की शाम तक का समय दिया था, लेकिन NTA के अनुरोध पर इसे 20 जुलाई कर दिया गया है।

जब CJI ने कहा- ...तो ये बड़ा खतरा : मुख्य न्यायाधीश (CJI) डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'छात्रों को 5 मई की सुबह पेपर रटवाए गए। मतलब इससे पहले किसी ने पेपर हल किए। अगर लीक 4 मई की रात से पहले हुआ तो 2 संभावनाएं हैं। पहली- पेपर बैंक की कस्टडी (3 मई) से पहले लीक हुआ। दूसरी- पेपर बैंक से सेंटर ले जाते हुए लीक हुआ। अगर 3 मई को लीक हुआ तो 3 से 5 तक काफी लंबा समय हो जाता है। ये बेशक बड़ा खतरा है।'

वकील ने IIT मद्रास की रिपोर्ट पर उठाए सवाल

वकील हूडा ने कहा कि IIT मद्रास की डेटा एनालिसिस रिपोर्ट पर भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि इसमें कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट है, क्योंकि IIT मद्रास के निदेशक NTA गवर्निंग बॉडी के सदस्य हैं। इस पर महाधिवक्ता तुषार मेहता ने कहा, 'ये गलत है। जो भी IIT JEE एडवांस्ड कराती है, उसके अध्यक्ष NTA के सदस्य होते हैं, लेकिन जिस निदेशक ने ये रिपोर्ट तैयार की, वो सदस्य नहीं हैं।'

21 जुलाई को आखिरी सुनवाई

मामले पर अब 21 जुलाई को आखिरी सुनवाई होगी। कोर्ट ने तब तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। बता दें कि मामले पर 40 से अधिक याचिकाएं दायर की गई हैं, जिन पर CJI चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ सुनवाई कर रही है। इससे पहले हुई सुनवाई में कोर्ट ने NTA को नोटिस जारी किया था और परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था।

परीक्षा रद्द करने पर क्या बोला कोर्ट?

पीठ ने कहा, 'क्या गोधरा प्रभारी के पास से कोई हल किया हुआ प्रश्नपत्र बरामद हुआ था?' इस पर महाधिवक्ता तुषार मेहता ने कहा, 'सब कुछ सील कर दिया गया है और वापस ले लिया गया है। इसके जवाब में CJI ने कहा, 'ऐसा लगता है कि गड़बड़ी पटना और हजारीबाग में हुई है। इसके बाद हमारे पास केवल आंकड़े ही बचे हैं। क्या हम केवल इसके आधार पर कोई परीक्षा रद्द कर सकते हैं?'

याचिकाकर्ता के वकील बोले- कोर्ट को भटका रही NTA

याचिकाकर्ता की ओर से वकील नरेंद्र हुड्डा ने NTA द्वारा टेलीग्राम वीडियो को फर्जी बताए जाने पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'NTA कोर्ट को भटका रही है। जो समय और तारीख वो दिखा रहे हैं, वो टेलीग्राम चैनल में दिखते नहीं है। ये एक वॉटरमार्क है। टेलीग्राम वीडियो से साफ जाहिर है कि पेपर 4 मई को सुबह 9 बजे ऑनलाइन सर्कुलेट होने लगा था। यहां NTA द्वारा परीक्षा आयोजित किए जाने की पूरी प्रणाली की विफलता है।'

NEET-UG को लेकर क्या है पूरा विवाद?

NEET-UG परीक्षा के दौरान 8 फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए थे। पटना से जले हुए प्रश्न पत्र भी बरामद किए गए थे। जब परिणाम जारी हुआ तो उसमें रिकॉर्ड 67 उम्मीदवारों ने ऑल इंडिया रैंकिंग (AIR-1) हासिल की थी। इसके बाद पूरे देश में खूब हंगामा हुआ था। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में करीब 40 याचिकाएं दायर की गई हैं और केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) मामले की जांच कर रही हैं, जिसने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है।

क्रिप्टो प्लेटफॉर्म वजीर-X की सुरक्षा में चूक

सेंध लगा 1923 करोड़ के क्रिप्टो उड़ाए

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंज वजीरएक्स को गुरुवार को गंभीर सुरक्षा चूक सामना करना पड़ा। इसके चलते प्लेटफॉर्म से 23 करोड़ डॉलर (लगभग 1,923 करोड़ रुपये) से अधिक की निकासी कर ली गई। इस घटना के बाद कंपनी ने अस्थायी रूप से अपने प्लेटफॉर्म से धन निकासी को रोक दिया है। वजीरएक्स ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा है कि हमारे क्रिप्टो वॉलेट में सुरक्षा चूक का मामला सामने आया है। हमारी टीम सक्रिय रूप से इस घटना की जांच कर रही है। निवेशकों की संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रुपये और क्रिप्टो निकासी को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है।

इन क्रिप्टो में सेंधमारी हुई

शुरुआती ब्लॉकचेन डाटा के विशेषण से यह पता लगा है कि करीब 10 करोड़ डॉलर मूल्य से अधिक के शिबा इनु टोकन की निकासी की गई है। यह सबसे बड़ा नुकसान है। इसके बाद 5 .2 करोड़ डॉलर मूल्य के ईथर और 1.1 करोड़ डॉलर के मैटिक और 60 लाख डॉलर के पेपे काइन की निकासी की गई है। जांच में यह भी पता चला है कि इन क्रिप्टो काइन को अन्य एक्सचेंज पर बेचा गया है।

1.6 करोड़ से अधिक ग्राहक

वजीरएक्स का दावा है कि उसके 1 करोड़ 60 लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं। इस भारतीय एक्सचेंज में करीब 350 से अधिक क्रिप्टो काइन और टोकन सूचीबद्ध हैं। वजीरएक्स की शुरुआत वर्ष 2017 में निश्चल शेट्टी ने की थी। यह देश का सबसे बड़ा क्रिप्टो प्लेटफॉर्म भी बन गया है।

बेंगलुरु में 11 इंदिरा कैंटीन पर लगा ताला

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गरीबों को सस्ता भोजन उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई इंदिरा कैंटीन आर्थिक संकट से गुजर रही है। बेंगलुरु में कम से कम 11 इंदिरा कैंटीनों ने नगर निगम द्वारा ठेकेदारों को बिलों का भुगतान न किए जाने के कारण बुधवार रात से भोजन परोसना बंद कर दिया है। निगम पर ठेकेदारों का करीब 65 करोड़ रुपये बकाया है। कुछ अन्य कैंटीन पर भी यह संकट आ सकता है। कैंटीनों में भोजन की आपूर्ति करने वाले फूड कॉन्ट्रैक्टर शेफ टॉक ने दावा किया कि ब्रुहत बेंगलुरु महानगर पालिका (BBMP) से उनका एक साल का अनुबंध है। उन्होंने बताया कि निगम करीब 65 करोड़ रुपये बिल का भुगतान करने में विफल रही है, जबकि कई बार अनुरोधों के बावजूद भुगतान नहीं किया है। उन्होंने बताया कि बकाया भुगतान न होने के कारण भोजन सेवाएं ठप हो गई है। BBMP आयुक्त तुषार गिरिनाथ ने दावों को खारिज कर दिया है।

नौ कैरेट के स्वर्ण आभूषणों पर भी हॉलमार्किंग की तैयारी

अभी 14, 18, 20, 22, 23 और 24 कैरेट के जेवर हॉलमार्क के दायरे में

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने पहली बार नौ कैरेट के स्वर्ण आभूषणों पर भी हॉलमार्क चिह्न लगाने का प्रस्ताव तैयार किया है। अभी 14 कैरेट, 18 कैरेट, 20 कैरेट, 22 कैरेट, 23 कैरेट और 24 कैरेट के जेवर हॉलमार्क के दायरे में आते हैं। साथ ही चांदी पर भी अनिवार्य रूप से हॉलमार्क मुहर लगाई जाएगी। इसे लेकर बीआईएस ने देश के प्रमुख सराफा संगठनों की बैठक 22 जुलाई को बुलाई है।

चांदी के गहनों पर भी हॉलमार्क

बैठक में चांदी के आभूषणों पर भी हॉलमार्क मुहर का फैसला लिया जाएगा। चार साल में सिर्फ 82 लाख चांदी के आभूषणों को हॉलमार्क कराया गया है। ये संख्या न के बराबर है क्योंकि हर महीने करीब 50 लाख से ज्यादा चांदी के आभूषण बिकते हैं।

करीब 80 फीसदी हॉलमार्क ज्वैलरी 22 कैरेट की

बीआईएस के मुताबिक, करीब 80 फीसदी हॉलमार्क ज्वैलरी 22 कैरेट की है। 18 कैरेट ज्वैलरी की हिस्सेदारी सिर्फ 16 फीसदी है। अभी हाल ही में सोने के तेजी से चढ़ते दाम के मद्देनजर देशभर में कई ज्वेलर्स ने नौ कैरेट के स्वर्ण आभूषण भी बाजार में पेश किए हैं। ये उन लोगों के लिए हैं, जो उच्च कैरेट के आभूषण खरीदने में असमर्थ हैं। इन ग्राहकों को भी शुद्धता का गारंटी देने के लिए नौ कैरेट के आभूषणों पर हॉलमार्किंग का प्रस्ताव तैयार किया गया है। हॉलमार्क ज्वैलरी सोने की शुद्धता की गारंटी है। बिना हॉलमार्क ज्वैलरी में कितना सोना है, इसकी कोई लिखित गारंटी नहीं होती।

कुपवाड़ा में सेना ने बड़ी आतंकी साजिश को किया नाकाम

घुसपैठ कर रहे 2 पाकिस्तानी आतंकी ढेर

एजेंसी | कुपवाड़ा

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सेना को बड़ी कामयाबी मिली है। सेना की एक टीम ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे 2 पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। अभी इन आतंकियों की पहचान सामने नहीं आई है। इस एनकाउंटर से कुछ दिन पहले डोडा में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में सेना के चार जवान (एक कैप्टन समेत) शहीद हो गए थे। कुपवाड़ा में सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ की जानकारी शेयर करते हुए भारतीय सेना की चिनार कोर ने X पर लिखा, 'आज केरन सेक्टर, कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा पर दो आतंकवादियों को मार गिराने के साथ घुसपैठ की कोशिश को सफलतापूर्वक रोक दिया गया है। सेना का इलाके पर सर्च ऑपरेशन अभी जारी है।'

डोडा में दो दिन में आतंकियों से मुठभेड़

इससे पहले जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में पाकिस्तानी आतंकियों के साथ सेना की दो दिन में दो बार मुठभेड़ हो चुकी है। पहले 16 जुलाई को पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के हथियारों से लैस आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ में एक कैप्टन समेत सेना के चार जवान शहीद हो गए थे। फिर डोडा जिले के वन क्षेत्र में बुधवार देर रात आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ कास्तीगढ़ क्षेत्र के जद्दन बाटा गांव में देर रात करीब दो बजे हुई थी, उस वक्त आतंकवादियों ने तलाश अभियान के संचालन के लिए एक सरकारी स्कूल में बनाए गए अस्थायी सुरक्षा शिविर पर गोलीबारी शुरू कर दी थी।

सुरक्षा बलों और घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी आतंकवादियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़

जानकारी के अनुसार, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में सुरक्षा बलों और घुसपैठ कर रहे पाकिस्तानी आतंकवादियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। सेना के अधिकारियों ने बताया कि 6 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और कुपवाड़ा पुलिस सहित सुरक्षा बलों पर छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई, घंटों चली मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया है। हालांकि अभी उनकी पहचान नहीं हुई है। सुरक्षा बलों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास केरन सेक्टर में आतंकियों को मार गिराने के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सेना को संदेह है कि इलाके में और आतंकी छिपे हो सकते हैं। इससे पहले सुबह के वक्त जम्मू के राजौरी जिले के सुंदरबनी इलाके में नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधियां देखने के बाद सेना ने गोलीबारी की थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साइबर सुरक्षा के प्रति किया आगाह

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में बढ़ते साइबर अपराध को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ नौकरशाहों को खतरे के प्रति आगाह किया और सुरक्षा के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि जब वे काम खत्म करते हैं तो अपने सिस्टम को लॉगआउट जरूर करते हैं। खबरों के मुताबिक, उन्होंने एक बैठक के दौरान अधिकारियों से पूछा, 'क्या आप दिनभर काम करने के बाद अपने IT सिस्टम को लॉग आउट करते हैं? मैं करता हूं... यह साइबर सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियों को दिया सुझाव

प्रधानमंत्री मोदी ने सुझाव दिया कि कार्यालयों में एक व्यक्ति को यह सुनिश्चित करने के लिए नियुक्त करना चाहिए कि दिन के अंत में काम खत्म होने के बाद सभी सिस्टम लॉग आउट हुए हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभ्यास से साइबर खतरों को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि मार्च में बिल गेट्स के साथ हुई बैठक में उन्होंने साइबर सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की थी।

तैयारी लोगों की जांच के लिए पहली बार इस ऐप का किया जाएगा इस्तेमाल

पुलिस 'ई-परीक्षा' ऐप से करेगी लालकिले की सुरक्षा

एजेंसी | नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान इस बार लोगों की जांच के लिए पुलिस 'ई-परीक्षा ऐप का इस्तेमाल करेगी। लालकिले पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के कुछ दिन पहले ऐप को एक्टिव कर दिया जाएगा। पुलिस द्वारा तैयार कराया गया यह ऐप अभेद्य सुरक्षा के लिए बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, यह ऐप कार्यक्रम स्थल के आसपास के लोगों, श्रमिकों और दुकानदारों को सत्यापित करने के लिए विकसित किया गया है। पहली बार इस ऐप का इस्तेमाल किया जाएगा। यदि सब कुछ ठीक रहा तो इसे सत्यापन के लिए पूरे शहर में लागू किया जा सका है।

स्नाइपरों की संख्या बढ़ाई जाएगी

इस बार ड्रैगुनोव एसवीडी राइफलों के साथ स्नाइपरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। दरअसल, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले को देखते हुए इस बार सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस हरसंभव कदम उठा रही है। स्नाइपर्स, स्पॉटर्स और एफआर सीसीटीवी कैमरे तैनात करने सहित तकरीबन सभी तैयारियों को लेकर कमर कस ली है। हाल ही में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने बैठक भी की थी। इसमें ट्रंप पर हमले पर चर्चा की गई और कमिश्नर ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने पर जोर दिया।

रणनीतिक स्थानों पर तैनाती

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान जिन स्नाइपर को रूस निर्मित ड्रैगुनोव एसवीडी राइफलों को चलाने का प्रशिक्षण दिया गया था, उन्हें लालकिले पर कार्यक्रम के दौरान रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की व्यवस्था की योजना में स्पॉटर्स, फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन का उपयोग पहले से ही शामिल है।

10 हजार सुरक्षा मोर्चा संभालेंगे

लालकिला, मध्य और उत्तरी दिल्ली के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों के आसपास अर्धसैनिक बलों के जवानों सहित करीब 10 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात करने की योजना बनाई है। लंबी दूरी के हथियारों के लिए रणनीतिक स्थानों पर रखने के लिए बड़ी संख्या में रेत के थैलों की व्यवस्था की जाएगी।

YSRCP नेता की बीच सड़क पर हत्या

दोनों हाथ काटे, गर्दन पर भी घाव; TDP का नेता है आरोपी

एजेंसी | विजयवाड़ा

आंध्र प्रदेश में बुधवार (17 जुलाई) की रात YSR कांग्रेस के नेता की दोनों हाथ काटकर बीच सड़क पर हत्या कर दी गई। आरोपी की पहचान TDP के लोकल नेता के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि घटना की वजह आपसी दुश्मनी है।

TDP नेता राक्षस बन चुके हैं : YSR कांग्रेस

मामले में YSR कांग्रेस की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। पार्टी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा की राक्षस बन चुके TDP नेता ने बेरहमी से हत्या कर दी। YSR के युवा नेता राशिद पर चाकू से हमला किया गया। जिससे उनके दोनों हाथों पर गंभीर चोटें आईं और गले पर भी गहरा घाव हो गया। पार्टी ने TDP के नेताओं को टैग करते हुए पक्षपातपूर्ण राजनीति करने के आरोप लगाए।

घटना का पॉलिटिकल कनेक्शन नहीं : पुलिस

पुलिस ने बताया कि आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले के विनुकोंडा में बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे YSR कांग्रेस की यूथ विंग के मेंबर शेख रशीद पर एक युवक ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान शेख जिलानी के रूप में हुई है, जो TDP का लोकल नेता है। जिला पुलिस प्रमुख कांची श्रीनिवास राव ने कहा कि जांच से स्पष्ट है कि घटना का किसी भी पॉलिटिकल पार्टी से कनेक्शन नहीं है। हालांकि मामले की गंभीरता को देखते हुए, विनुकोंडा में धारा 144 लागू कर दी गई है। घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें जिलानी धारदार हथियार से रशीद पर हमला करता नजर आ रहा है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जिलानी ने रशीद के दोनों हाथ काट दिए और गर्दन पर जानलेवा हमला किया।